भाद्रपद शुक्ल पक्ष-12, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 85 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26
भोपाल
14 सितम्बर 2024 शनिवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page- 7

कुछ बड़ी घटनाओं के बाद मैदानी अफसरों की कसावट का दौर
खिंचाई का असर नए मुखियाओं की नियुक्ति बेला में एक्शन में अफसर!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य की नौकरशाही को कांग्रेस द्वारा निशाने पर लेने के बाद मुख्यमंत्री ने ब्यूरोकेसी को सराहकर व बिना दबाव काम करने के लिए प्रेरित तो किया है लेकिन बीते कुछ दिनों में सामने आए घटनाक्रमों के बाद पुलिस व प्रशासन के मैदानी अफसरों को मुस्तैद रखने के सख्त निर्देश भी इनके 'सचिवालय-मुख्यालयों' के दिए गए हैं। राज्य में नए मुख्यसचिव व नए डीजीपी की नियुक्ति वेला में इसका असर भी नजर आ रहा है। सरकार की खिंचाई के बाद पुलिस अब अपराधियों में भय पैदा करने के वे तमाम प्रयास कर रही है जो पहले से अपेक्षित थे। कलेक्टर व एसडीएम आदि भी तालमेल बना रहे हैं। मैदान में उतरे पुलिस अफसर पुराने अपराधियों की खाक छान रहे हैं तो मुखबिरों से समन्वय बढ़ा लिया है। निगरानी तंत्र को मजबूत किया है। पुलिस मुख्यालय ने खुद यह बात स्वीकारी है। दरअसल यह नौबत दो वजह से आई। एक तो पिछ्ले कुछ दिनों से प्रदेश में बड़ी आपराधिक घटनाएं सामने आ रही है। इनमें उज्जैन व इंदौर के दुष्कर्म जैसी घटनाएं मुख्य है। हाल ही में आदिवासी की खनिज माफिया द्वारा हत्या करने के आरोपों ने भी तूल पकड़ा था। ऐसी कई घटनाओ को कांग्रेस ने मुद्दा बनाया। इस बीच मुख्यमंत्री को कहना पड़ा था कि प्रदेश में कानून का राज है और वह रहेगा, जो भी गलत करेगा, उसे छोड़ा नहीं जाएगा। लेकिन सूत्रों के मुताबिक इन्ही घटनाक्रमों के बाद तीन चार दिन पहले सरकार की पुलिस मुख्यालय की ओर वक्रदृष्टि पड़ी थी। इसके बाद एक्शन तेज हुए।

उल्लेखनीय है कि मप्र में इस महीने के अंत तक नए मुख्यसचिव पर फैसला होना है। मौजूदा सीएस वीरा राणा का कार्यकाल 30 सितंबर को खत्म हो रहा है। वहीं नए डीजीपी के लिए सरकार के स्तर पर कवायद शुरू होने को भी इससे जोड़ा जा रहा है। मौजूदा डीजीपी सक्सेना नवंबर में रिटायर हो रहे हैं। सरकार ने पीएचक्यू से 20 दिन में इस पद के योग्य अफसरों की सहमति के साथ सेट प्रोफार्मा में प्रस्ताव मांगे हैं।

इधर पूरे प्रदेश में सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन आदि से निगरानी साथ ही सूचना तंत्र ग्रास रूट लेवल तक पूरी तरह सक्रिय किया गया है। सभी स्तर पर शांति समिति की बैठकों का आयोजन एवं लगभग सभी जगहों पर जुलूस मार्ग, विसर्जन स्थलों आदि का निरीक्षण कर पर्याप्त व्यवस्था संबंधित अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित कर ली गई है। बताया जाता है कि डीजीपी सुधीर सक्सेना ने सभी मैदानी अफसरों को इसके लिए वीसी में कड़ी हिदायतें दी थीं। उन्होने शब्दशः निर्देशों का पालन करने को भी कहा था। अब खुद अब पुलिस मुख्यालय ने बीती रात बयान जारी कर डीजीपी का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने वीसी लेकर पुलिस के अधिकारियों को त्यौहारों के दौरान व्यवस्थाओं को गंभीरता से देखने और कमियां मिलने पर सुधार करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद प्रदेश भर में सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन आदि से निगरानी व सूचना तंत्र को सक्रिय किया है। फ्लैग मार्च कर आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करने व आपराधिक तत्वों में कानून का भय उत्पन्न करने की दिशा में काम किया है। सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए मैदानी स्तर तक पुलिस की डेडिकेटेड टीमें बनाकर चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। संदिग्ध व्यक्तियों, संवेदनशील स्थलों, वाहनों,लाज, होटल पर पुलिस की चौकस निगाहें हैं।

सीएम ने कहा सबको न्याय दिलाने को प्रतिबध्द

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज 'अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस' की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री कहा किसी भी राष्ट्र या समाज की जीवंतता वहां के लोकतंत्र की समृद्धि में निहित है। सबको समानता और न्याय दिलाने की दिशा में सतत अग्रसर रहते हुए सर्वसमावेशी व समृद्ध समाज निर्माण में योगदान देने के लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं।यादव ने अभियंता दिवस की भी सभी अभियंतागण को बधाई दी व 'भारत रत्न' सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को याद करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर एवं आधुनिक भारत के नवनिर्माण में अभियंताओं की अहम भूमिका है।

दोनो तरफ से तीन-तीन नाम आगे

गौरतलब है कि सीएस के लिये अनुराग जैन और राजेश राजौरा के नाम तेजी से सामने आये हैं। माना जा रहा है कि मौजूदा सीएस को संभवतः नयी सेवावृध्दि नहीं मिलेगी। वहीं डीजीपी के लिये नए प्रावधानों के कारण कई नाम रेस से बाहर हो जाएंगे। पिछ्ली बार 35 नाम यूपीएससी को भेजे गए थे, इस बार सिर्फ 9 स्पेशल डीजी के नाम ही दिल्ली जाएंगे। इसमें भी 1987 बैच के शैलेष सिंह, 1988 बैच के सुधीर शाही और 1990 बैच के विजय कटारिया के नाम नहीं होंगे। दरअसल, नए नियमों में साफ किया गया है कि डीजीपी का पद रिक्त होने वाले दिन से जिस भी दावेदार की सेवा कम से कम छ्ह माह बची हो, उसका नाम ही भेजा जाए। यूपीएससी इन पर विचार के बाद तीन नाम का पैनल मप्र सरकार को भेजेगी, जिसमें एक पर मुहर लगेगी। वैसे भी डीजीपी की नियुक्ति कम से कम दो वर्ष के लिए होना जरूरी माना गया है। नए नियमों के मुताबिक डीजीपी की दौड़ में अरविंद कुमार, अजय कुमार शर्मा, कैलाश मकवाना के नाम आगे हैं।

केजरीवाल का मुख्यमंत्री पद छोड़ने का ऐलान

नई दिल्ली , एजेंसी।

आबकारी नीति 'घोटाला' मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के दो दिन बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज आम आदमी पार्टी के मुख्यालय पहुंचे और एक बड़ा ऐलान करते हुए मुख्यमंत्री पद छोडने की बात कह दी। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के बाद सीएम केजरीवाल कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और कहा कि 'मैं दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा दूंगा।' उन्होंने ऐलान करते हुए कहा, 'आज से दो दिन के बाद मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं मैं तब तक सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा, जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती कि केजरीवाल इमानदार है। केजरीवाल के इस ऐलान के मायने दिल्ली का आगामी विधानसभा चुनाव है जो कुछ ही महीने बाद होना है। इसके साथ ही वे हरियाणा चुनाव के लिए भी मास्टरस्ट्रोक खेलने की कोशिश में नजर आ रहे हैं। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'सतेंद्र जैन, अमानतुल्ला खान भी जल्दी बाहर आएंगे. दिल्ली के लोगों ने हमारे लिए प्रार्थना की, मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं.. मैंने जेल में कई किताबें पढ़ीं - रामायण, गीता... मैं अपने साथ भगत सिंह की जेल डायरी लाया हूं. भगत सिंह की डायरी भी पढ़ी।

एक्सप्रेस-वे पर हवा में उछली कार, इंजीनियर बर्खास्त

नई दिल्ली , एजेंसी।

देश भर में सड़कों के निर्माण और मरम्मत में लापरवाही के मामले सामने आ रहे हैं। अब अलवर में दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस-वे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सख्त एक्शन हुआ है। दरअसल एक्सप्रेस-वे पर चल रही कार सड़क में खामियों को वजह से हवा में उछल रही हैं। वीडियो सामने आने के बाद केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इंजीनियर को बर्खास्त कर दिया और ठेकेदार पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इस मामले की जांच केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के निर्देशानुसार की जांच की गई। वक्त रहते खामियों को दूर न करने के मामले में ठेकेदार पर जुर्माना लगाया गया है।

पुंछ : आतंकियों से भीषण मुठभेड़

श्रीनगर , एजेंसी।

विधानसभा चुनाव से पहले जम्मू कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। कल ही बारामूला में हुए एनकाउंटर में तीन आतंकियों को ढेर किया था। आज भी फिर से सुरक्षाबलों की पुंछ जिले में आतंकियों के साथ भीषण मुठभेड़ जारी है। यहां मेंढर के जंगल में 2 से 3 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। मुठभेड़ स्थल पर अतिरिक्त जवानों को भेजा गया है। पूरे इलाके की घेराबंदी की गई और तलाशी अभियान शुरू किया। ज्ञात हो कि कल किश्तवाड़ में मुठभेड़ में एक जूनियर कमीशंड अधिकारी सहित भारतीय सेना के दो जवान शहीद हो गए थे वहीं बारामूला में एक अलग अभियान में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादियों को मार गिराया था।

छह नई वंदे भारत को पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली , एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज छह नई वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। रेल मंत्रालय का कहना है कि इन ट्रेनों से संपर्क सुविधा, सुरक्षित यात्रा और यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ेंगी। इन नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत के बाद इनकी संख्या 54 से बढ़कर अब 60 हो जाएगी। नई ट्रेनें, जिन छह नए मार्गों को कवर करेंगी, वे टाटानगर-पटना, ब्रह्मपुर-टाटानगर, राउरकेला-हावड़ा, देवघर-वाराणसी, भागलपुर-हावड़ा और गया-हावड़ा हैं। पहली वंदे भारत ट्रेन 15 फरवरी, 2019 को शुरू की गई थी।

देवास से खाटूश्याम जा रहा परिवार हादसे का शिकार

देवास, दोपहर मेट्रो।

6 मौत

जिले के सतवास क्षेत्र के 6 लोगों की राजस्थान में सड़क हादसे में मौत की घटना सामने आई है। यह सभी लोग खाटू श्याम के दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसा राजस्थान के बूंदी जिले के हिंडोला थाना इलाके में हुआ है।सतवास के 9 लोग कार में सवार होकर बीती रात निकले थे। मगर हिंडोल इलाके में तड़के 4 बजे के रांग साइड से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

मुख्यमंत्री दी आर्थिक सहायताः इस सड़क हादसे में असमय मृत्यु पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गहरा दुख व्यक्त किया है और मप्र सरकार की ओर से मृतकों के परिवार को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं

एक घंटे में शराबबंदी खत्म कर देंगे पीकेः चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने दावा किया है कि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो वह एक घंटे के भीतर शराबबंदी को समाप्त कर देंगे।

मेट्रो एंकर

एक रईस ने शॉपिंग का खर्च उठाया, मचा बवाल
पत्नी ने लिए महंगे गिफ्ट, जानकारी छिपाकर जांच में फंस गए प्रधानमंत्री

लंदन , एजेंसी।

कई राजनेता खुद को या पत्नी को मिलने वाले उपहारों के चलते 'फंसे' हैं। पाकिस्तान के पीएम इमरान खान का मामला तो हाल में सामने आया ही था अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर अपनी पत्नी विक्टोरिया को मिले गिफ्ट्स की वजह से संसदीय नियमों का उल्लंघन का आरोप लगा है और वे भारी आलोचनाओं से घिर गये हैं। खबरों के अनुसार, प्रधानमंत्री स्टार्मर को इस बात का खुलासा करने में लापरवाही बरतने के कारण जांच का सामना करना पड़ रहा है कि लेबर पार्टी के प्रमुख दानकर्ता वहीद एली ने उनकी पत्नी के लिए पर्सनल शॉपर, कपड़े और अन्य सामान का खर्च उठाया था। दरअसल ऐली ने विक्टोरिया के लिए महंगे कपड़े खरीदे थे जिसके बारे में पीएम स्टार्मर ने जानकारी नहीं दी। यानि इसे पीएम स्टार्मर ने सांसदों को गिफ्ट देने की जानकारी देने वाले रजिस्टर में दर्ज नहीं किया था। ब्रिटेन में नियम है कि सांसदों को 28 दिनों के भीतर उपहार और दान के बारे में जानकारी देना जरूरी होता है। ब्रिटिश संसद के नियमों की मार्गदर्शिका में कहा गया है कि सांसदों को

÷किसी तीसरे पक्ष को दिए गए किसी भी लाभ की जानकारी देनी चाहिए, चाहे उसके साथ उनके लिए कोई लाभ जुड़ा हो या नहीं।

हाउस ऑफ कॉमन्स आचार संहिता के तहत, संसद के सदस्यों को वित्तीय हितों के बारे में जानकारी प्रदान करनी होती है, जिसे उनके काम को प्रभावित करने का तरीका भी माना जाता है.. कंजर्वेटिव पार्टी के प्रवक्ता ने ÷संसदीय नियमों के स्पष्ट गंभीर उल्लंघन÷ पर पूरी जांच की मांग की है। संसद की वेबसाइट पर सूचीबद्ध प्रधानमंत्री के पंजीकृत वित्तीय हितों से पता चलता है कि उन्हें लॉर्ड एली से कई गिफ्ट्स मिले हैं, जिनमें कई जोड़ी चश्मे, कपड़े और रहने की सुविधा शामिल हैं। उन गिफ्ट्स की तो घोषणा की गई थी, लेकिन उनकी पत्नी को दिए गए कपड़ों के बारे में जानकारी नहीं दी गई। हाल ही में, प्रधानमंत्री ने इस तथ्य की घोषणा की कि लॉर्ड एली ने उन्हें कई हफ्तों के लिए आवास प्रदान किया था, जिसकी कीमत 20,000 ब्रिटिश पाउंड्स (22 लाख रुपये से अधिक) से अधिक बताई गई है।

कौन है रईस एली

एली ब्रिटिश मीडिया उद्यमी हैं और ऑनलाइन फैशन रिटेलर ASOS (ASOS.L) के पूर्व अध्यक्ष हैं। इसी साल अगस्त में, यह बात सामने आई थी कि लॉर्ड एली को कोई औपचारिक सरकारी भूमिका नहीं होने के बावजूद एक अस्थायी डाउनिंग स्ट्रीट सुरक्षा पास दिया गया था। लॉर्ड एली को 1998 में टोनी ब्लेयर द्वारा सम्मानित किया गया था और हाल ही में उन्होंने लेबर पार्टी के लिए चंदा उगाही अभियान का नेतृत्व किया

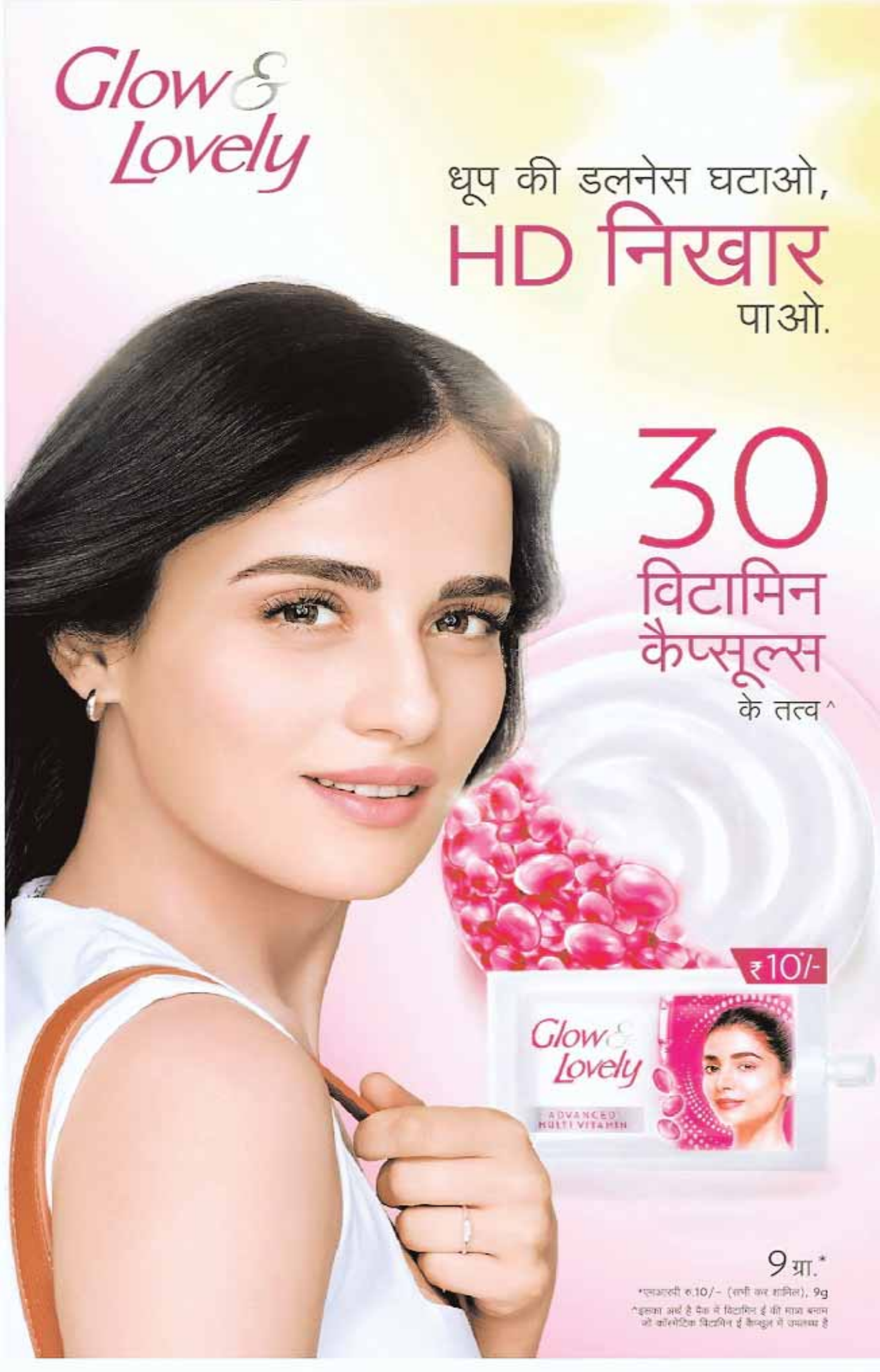

पुराने शहर से ढोल ग्यारस पर निकला गणेशजी का चल समारोह

गणेश विसर्जन के स्थानों पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने की कवायद

विसर्जन घाटों पर रहेंगी अमले, अफसरों व कैमरों की निगाहें, अलर्ट पर पुलिस-प्रशासन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गणेश विसर्जन के लिए प्रशासन ने विसर्जन घाटों पर भीड़ को नियंत्रित रखने के लिए कई व्यवस्था बनाई हैं। नगर निगम की ओर से बड़े घाट के रूटों पर वार्ड और जोन स्तर पर जगह-जगह विसर्जन कुंड बनाए जाएंगे। अलग-अलग इलाकों के प्रमुख तिराहे और चौराहों समेत मुख्य रूट पर 100 से ज्यादा विसर्जन कुंड बनाए जाएंगे। यहां छोटी प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्थाएं है। इस दौरान लोगों की धार्मिक भावनाओं का भी ध्यान रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि गणेशोत्सव, डोल ग्यारस और ईद-मीलादुन्नबी को ध्यान में रखकर पुलिस ने गत दिवस फ्लैग मार्च निकाला था जो संवेदनशील इलाकों से गुजरा।

पूजन सामग्री रि-यूज करने का विचार

इस बार निगम की ओर से लोगों से अपील की गई है कि पूजा के दौरान निकलने वाली सामग्री जैसे, फल, फूल, नारियल आदि को पानी में प्रवाहित नहीं करें। निगम का अनुमान है कि शहर के अलग-अलग विसर्जन घाटों पर निकलने वाले 50 से 60 टन निर्माल्य को एमआरएफ सेंटर भेजा जाएगा। इससे कांच वाली तस्वीर, भगवान के कपड़े, फूल मालाओं समेत अन्य सामग्री को अलग किया जाएगा। लिहाजा इन कुंड पर संस्थाओं की ओर से वॉलंटियर भी तैनात होंगे। जो विसर्जन के लिए आने वालों को जैविक खाद के पैकेट, कपड़े के थैले या तुलसी के पौधे भी भेंट करेंगे। ताकि ज्यादा लोग इन कुंड में प्रतिमाओं का विसर्जन करें। वॉलंटियर पूजन सामग्री को भी घाट पर ही अलग करेंगे।

लाइटिंग-बैरिकेडिंग व गोताखोर तैनात

विसर्जन व्यवस्थाओं पर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने अफसरों को मुस्तैद रहने को कहा है। उन्होंने भी विसर्जन घाटों का निरीक्षण किया व कहा, कि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होना चाहिए, लोग पानी के अंदर न जाएं, इसके लिए विसर्जन स्थल के पास रस्सी और बैरिकेडिंग लगाई जाए। लोग पानी के अंदर न जाएं, इसके लगातार अनाउंसमेंट कराए जाएं। सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही समुचित लाइटिंग, वाहन पार्किंग, बैरिकेडिंग, और गोताखोर को तैनात किया जाएगा। विसर्जन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने कहा जा रहा है।

रियल एस्टेट सेक्टर में नेतृत्व कौशल विकसित करेगा क्रेड़ाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिज़नेस लीडरशिप प्रोग्राम

क्रेड़ाई नेशनल ने अपने नवीनतम आईआईएम बेंगलूर-क्रेडाई बिजनेस लीडरशिप प्रोग्राम की शुरुआत की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर में नेतृत्व कौशल को विकसित करना है। यह प्रोग्राम, जिसे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बैंगलोर (आई.आई.एम बेंगलूर) के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। इस प्रोग्राम का लक्ष्य रियल एस्टेट के क्षेत्र में नए नेतृत्व का विकास करना है जो न केवल इंडस्ट्री के पारंपरिक तरीकों को समझें, बल्कि तकनीकी नवाचार और नवीनतम प्रबंधन तकनीकों का भी कुशलता से उपयोग करें। प्रोग्राम की अवधि अक्टूबर 2024 से फरवरी 2025 तक होगी, जिसमें 5 चरणों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रोग्राम का उद्देश्य प्रतिभागियों को उभरते हुए व्यापारिक और राजनीतिक वातावरण में प्रभावी निर्णय लेने के लिए तैयार करना है। एस्टेट इंडस्ट्री में हो रहे तकनीकी नवाचारों और डिजिटल क्रांति के अनुकूलन को लेकर खास सत्र होंगे लीडरशिप प्रोग्राम के डायरेक्टर प्रो. एस. राजीव हैं, जो इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बैंगलोर में प्रतिष्ठित अनुभवी प्रोफेसर हैं। इस प्रोग्राम के दौरान प्रतिभागियों को स्ट्रीट टॉक, चाय पे चर्चा और आउटबाउंड टीम-बिल्डिंग अभ्यास जैसी अनूठी गतिविधियों के जरिए व्यवहारिक ज्ञान और अनुभवों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलेगा। क्रेड़ाई-भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक ने व्यक्तित्व और व्यवसाय के विकास के लिए क्रेड़ाई यूथ विंग के डेवलपर्स से निरंतर अध्ययन, नवाचार और शोध करते रहने की अपील की है। मीक स्वयं शहरी विकास के शोधार्थी हैं, डेटा और नवाचार पर लगातार काम करते रहे हैं।

स्वास्थ्य जांच शिविर: विशेषज्ञों ने दी निशुल्क सेवाएं देने की सहमति

सेवासदन द्वारा 20 सितंबर को होना है आयोजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम साहिब जी की 119वीं जयन्ती पर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा 20 सितम्बर 2024 को एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया जायेगा । यह शिविर जीव सेवा संस्थान के सहयोग से साधू वासवानी स्कूल में सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक लगाया जायेगा । शिविर में विभिन्न बीमारियां के 12 विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी निःशुल्क सेवाएं देने की सहमति दे दी है । जिन डॉक्टरों ने अपनी सहमति दी है, उनमें जनरल फिजिश्यिन डॉ. सुरेश भम्भानी, डॉ. जी.टी. खेमचंदानी, डॉ. प्रीति मोतियानी, और डॉ. टी.के. ज्ञानचंदानी, नाक कान गला के डॉ. अनिल जैन और डॉ. अंचल जैन रोगियों की जांच और परामर्श देंगे । ईको कॉर्डियोग्राफी, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. दीपक झांगियानी द्वारा की जायेगी । हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील आसवानी, पैथालॉजिस्ट डॉ. समीर सिंह, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. कोमल दासवानी और डॉ. रोशनी ज्ञानचंदानी तथा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रीति बम्हाने रोगियों की जांच और परामर्श देंगे । सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के अध्यक्ष संत सिद्ध भाऊजी ने विभिन्न बीमारियों से पीड़ित निर्धन रोगियों को शिविर में आकर अपनी बीमारियों की जांच करवाने और उपचार परामर्श लेने का आग्रह किया है ।

विसर्जन घाट पर तैयारियां पूरी, अनंत चतुर्दशी को किया जाएगा विसर्जन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

डोल ग्यारस पर प्रतिमा का विसर्जन

डोल ग्यारस पर प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ गणपति बप्पा का विदाई शुरू हो गई है। शनिवार को विसर्जन घाट पर कुछ बड़ी प्रतिमाओं एवं छोटी प्रतिमाओं का विसर्जन किया। 17 सितंबर अनंत चतुर्दशी पर चल समारोह के साथ प्रतिमाओं को विसर्जन होगा। संतनगर के झूलेलाल विसर्जन घाट पर अंनत चतुर्दशी पर होने वाली गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की तैयारियों पूरी कर ली गई है गर निगम सभी तैयारियों को ढोल ग्यारस पहले पूरा कर लिया है, ग्यारस को कई झांकी समितियां ढोल पर नाचते हुए बप्पा को विदाई देने की लिए पहुंची। प्रतिमा विसर्जन स्थल पर बेरिकेटिंग की गई है, जहां छोटी प्रतिमाओं के लिए घाट पर लगी जालियों को हटाया दिया गया है। वहीं ब?ी प्रतिमाओं के लिए क्रेन, फायर दमकल, गोताखोर, कन्ट्रोल रूप समेत अन्य इंतजाम किए गए हैं।

डोल ग्यारस पर निकला जुलूस : शनिवार को डोल ग्यारस पर श्री ईएमई सेंटर से सैनिक और अन्य समितियों के श्रद्धालु नाचते हुए प्रतिमा विसर्जन करने पहुँचे। संतनगर के मेन रोड पर जुलूस के दौरान पुलिस बल की निगरानी रही। वैसे ज्यादातर बड़ी प्रतिमांए 17 सितंबर को विसर्जित होंगी।

मेट्रो एंकर | **हिन्दी दिवस पर महाविद्यालयों में प्रतियोगिताएं**

उच्च शिक्षा में नैतिक मूल्यों पर व्याख्यान, प्रदर्शनी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर के महाविद्यालयों में हिन्दी दिवस पर प्रतियोगिता, संगोष्ठी व विचार सत्र आयोजित किए गए। मातृभाषा के प्रति सम्मान का संकल्प विद्यार्थियों ने लिया। साधु वासवानी कॉलेज में हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कॉलेज के डायरेक्टर डॉ डीके दुबे ने कार्यक्रम की शुरूआत की। साहित्यकार डॉ गीता प्रभाकर का स्वागत प्राचार्य डॉ एके सिंह ने किया। प्रभाकर ने 'उच्च शिक्षा में नैतिक मूल्यों का महत्व' विषय पर व्याख्यान दिया। हिन्दी की पुस्तकों की प्रदर्शनी 'हिन्दीसाहित्य की भूमिका ' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। का आयोजनभीकियागया,जिसमें बड़ी संख्या मेंविद्यार्थीसम्मलितहुए हिन्दी के प्रमुख स्थानीय लेखकों की जानकारीडॉ रश्मी लारपुरिया ने एवं रेनु रावत विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग ने भारतीय ज्ञान परंपरा में महिलाओं की भूमिका से अवगत कराया। संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट फॉर वूमेन ~हिन्दी दिवस पर एसएचआईएमएसपीडी क्लब ने कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसका विषय जीना अभी बाकी था। प्रतियोगिता में रोशनी तिवारी ने प्रथम, आंचल जैन ने द्वितीय एवं पलक मीना ने तृतीयपुरुस्कार प्राप्त किया। इसके अलावाअन्य छात्राओं ने भी कविताओं के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज: हिंदी दिवस पर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि हिंदीए हमारी भावनाओं और मूल्यों की भाषा के रूप में सदैव हमारे साथ रहती है। हमें इसे संजोना चाहिए और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना चाहिए। भाषा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ नेहा गुप्ता ने भी हिंदी के महत्व पर विचार रखे। इस अवसर पर हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अंताक्षरी और शेरो.शायरी की प्रस्तुति की गई।

हिन्दी दिवस पर बच्चों ने किया मातृभाषा के महत्व को रेखांकित

कई विद्यालयों में हुए आयोजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर के स्कूलों में हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिक्षाविदों ने मातृभाषा के प्रति सम्मान का भाव रखने की सीख बच्चों को दी। बच्चों ने अपने विचारों से भाषा के महत्व को रेखांकित किया। साधु वासवानी स्कूल में हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने कहा कि हिन्दुस्तान की शान है हिन्दी हर भारतीय की पहचान है हिन्दी। हिन्दी को सर्वोच्च स्थान पर रखकर उसका गर्व से उच्चारण करना चाहिए। उप प्राचार्या स्वाति कलवानी ने हिन्दी दिवस पर अपने विचार रखे। शिक्षिका ममता जनियानी ने कविता की प्रस्तुति दी।

संस्कार विद्यालय: हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि हमें अपनी मात्रभाषा के साथ-साथ राष्ट्रीय भाषा एवं अंतराष्ट्रीय भाषा अंग्रेजी के महत्व को भी समझना चाहिए। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि हम जानते है भले ही आप अंग्रेजी का चलन ज्यादा है लेकिन हमें अंग्रेजी के साथ-साथ अपनी राष्ट्रीय भाष हिन्दी का भी ध्यान रखना चाहिए।

नवनिध पब्लिक स्कूल: हिन्दी दिवस पर भाव प्रबोधिनी भाषा हिंदी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्राओं ने नाटक, संवाद, कवि सम्मेलन, पहेली, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से हिंदी की उपयोगिता एवं उसके वर्चस्व को दिखाया गया। प्राचार्य अमृता मोटवानी ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। कार्यक्रम में सभी शिक्षिकाएं एवं कक्षा पहली से आठवीं तक की छात्राएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन छात्रा अदिति हिंगोरानी एवं गीत लोकवानी ने किया।

पुरातन पद्धति को बचाने के पक्ष में सामने आए मोहन के दो राज्यमंत्री

लोधी बोले- मोमबत्ती फूंककर नहीं, दीपक जला कर प्रकाश की ओर बढ़ें

पटेल ने कहा- गोबर से बनने वाले पेंट को मान्यता मिले

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पुरातन पद्धतियों को बचाने के लिए मोहन सरकार के दो राज्यमंत्री सामने आए। राज्यमंत्री संस्कृति एवं पर्यटन धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि जन्मदिन पर मोमबत्ती फूंककर नहीं, मंदिरों में दीपक जलाकर अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ें तो राज्यमंत्री पशुपालन लखन पटेल ने मवेशियों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि गोबर से बनाए जाने वाले पेंट को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिलती है तो यह पशुपालन के संरक्षण में अहम प्रयास होंगे। संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

अंग्रेजी पढ़कर लोग फूंका और थूका हुआ खाने के आदी हो गए- राज्यमंत्री लोधी

संस्कृति-पर्यटन एवं धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने शनिवार हिंदी अलंकरण समारोह में कहा कि कुछ लोग अंग्रेजी पढ़–पढ़कर फूंका हुआ और थूका हुआ खाने के आदि हो गए हैं जो ठीक नहीं है। एक समय था जब जन्मदिन पर मंदिरों में जाते थे, अंधकार से प्रकाश की ओर जाने की कामना के साथ दीपक जलाते थे। अब उल्टा हो रहा है। स्कूल से लौटने के बाद कुछ बच्चे और उनके अभिभावक जन्मदिन के मौके पर टेबल पर केक रख लेते हैं, उसमें कुछ मोमबत्तियां लगाते हैं उन्हें जलाने के बाद फूंक मारकर बूझा देते हैं और फिर उसी केक को हम हंसते हुए खाते हैं।

पशुओं की संगणना करना कठिन, इसलिए टैबलेट मिले

राज्यमंत्री लखन पटेल शनिवार को भुवनेश्वर में आयोजित राज्यों के पशुपालन मंत्रियों व अधिकारियों की बैठक में बोल रहे थे जिन्होंने पशुओं के संरक्षण की दिशा में कई सुझाव दिए। उन्होंने पशुओं की होने वाली संगणना के लिए टैबलेट की व्यवस्था करने की बात भी दोहराई। जिसके पीछे वजह बताई कि यह काफी जटिल है, इसे आधुनिक तकनीक का उपयोग कर आसान बनाया जा सकता है। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने की। मध्य प्रदेश पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम द्वारा संचालित सेंट्रल सीमन स्टेशन को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित भी किया गया। संस्था की ओर से ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रबंध संचालक डॉ. राजू रावत एवं प्रभारी डॉक्टर दीपाली देशपांडे ने प्राप्त किया।

दादा और पोती की किताबों का एक साथ हुआ विमोचन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल में आज कवि ओम बबेले के कविता संग्रह कामना से काल हारा और बाल लेखिका रेवा बबेले के कहानी संग्रह बापू की डगर का विमोचन आज भोपाल के राज्य संग्रहालय में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर वरिष्ठ साहित्यकार एवं आलोचक विजय बहादुर सिंह ने कहा कि ओम बबेले की कविताएँ उनके हृदय की गहराई की अभिव्यक्ति है। बबेले ने ऐसे समय पर छंद में कविता लिखी हैं जिस समय हिंदी के कवि छंद का त्याग कर पूरी तरह से नई कविता की ओर बढ़ गए हैं। साहित्यकार ज्ञान चतुर्वेदी ने कहा कि रेवा बबेले ने अपनी किताब बापू की डगर के माध्यम से बच्चों के लिए नए गांधी का सृजन किया है। वरिष्ठ साहित्यकार श्देवनाथ द्विवेदी ने कहा कि वह पिछ्ले 30 वर्ष से इन कविताओं के रचना प्रक्रिया के साक्षी है और निश्चित तौर पर यह कविताएँ हिन्दी साहित्य को समृद्ध करेंगी। बबेले ने अपनी कविताओं का पाठ किया जिनमें से एक कविता भीड़ का ओढे कफन सरकार है और बुंदेली गीत जो वे कैरए वो हम केरए श्रोताओं ने बहुत पसंद किया। रेवा ने कहा कि उसकी उम्र अभी छोटी है और वह खुद को लेखक कहने की स्थिति में नहीं है। लेकिन उसकी एक ही इच्छा है कि महात्मा गांधी के बारे में जो भ्रांतियां बच्चों के बीच फैलायी जा रही है उन्हें समाज के विद्वान लोगों को दूर करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन में कवि चित्रा सिंह ने किया।

बुजुर्गों को साइबर फ्रॉड से बचाएगी सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बुजुर्गों के साथ साइबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों पर सरकार अलर्ट हो गई है। ठगी से बचाने और बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए वृद्धजन नीति पर विचार किया जा रहा है। सामाजिक न्याय विभाग, गृह, स्वास्थ्य समेत अन्य विभागों से चर्चा कर नई नीति का खाका तैयार करेगा। जरूरत पर बैंकों से भी राय ली जाएगी। इतना ही नहीं, बुजुर्गों की सेहत की देखभाल, संपत्ति स्वामित्व, पुनर्वास आदि को भी नीति में शामिल किया जाएगा।

25 साल पहले बनी थी

वृद्धजन नीति वर्ष 1999 में तैयार की थी। राज्य में यही नीति लागू है। 25 साल में काफीकुछ बदल गया, अब नई नीति पर फिर विचार किया जा रहा है। इसमें नए विषयभी शामिल किए जाएंगे।

हमें अपने ज्ञान, इतिहास और उपलब्धियों पर गर्व का भाव जागृत करने की आवश्यकता : उच्च शिक्षा मंत्री

सेज विवि में जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र की दो दिवसीय राष्ट्रीय वार्षिक बैठक का आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सेज विश्वविद्यालय के सभागार में जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र की दो दिवसीय राष्ट्रीय वार्षिक बैठक की जा रही है। बैठक में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख, वैश्विक मानचित्र पर राष्ट का सिरमौर मुकुट है, सामरिक दृष्टि से राष्ट के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सम्पूर्ण भारत का विषय है, भारत के भविष्य का विषय है। इसके लिए अखंड भारत के इतिहास को भारतीय दृष्टि से सही परिप्रेक्ष्य में अध्ययन करने की आवश्यकता है। मंत्री परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश की भूमि पर देश के महत्वपूर्ण विषय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक निरंतरताष् पर विचार मंथन होना गर्व का क्षण है। मंत्री परमार ने कहा कि भारत ज्ञान के क्षेत्र में विश्वमंच पर सर्वश्रेष्ठ था इसलिए विश्वगुरु की संज्ञा से सुशोभित था। हमें अपने ज्ञान, इतिहास और उपलब्धियों पर गर्व का भाव जागृत करने की आवश्यकता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर दस्तावेजिकृत कई तथ्य आज भी भारत की परंपरा में विद्यमान हैं। इसे युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में पुनः शोध एवं अनुसंधान के साथ दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता है। परमार ने कहा कि भू-राजनैतिक दृष्टि से

पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर और चीन अधिकृत लद्दाख, भारत के लिए महत्वपूर्ण है। देश के लोग जागरूक हो रहे हैं और राष्ट के प्रति कृतज्ञता का भाव जागृत हो रहा है। अखंड भारत पुनः वापस स्थापित करने का संकल्प साकार करने में सभी की सहभागिता आवश्यक है।

शोध प्रकोष्ठ बनाने के लिए कार्ययोजना बनाएंगे: मंत्री परमार ने कहा कि देश के जन-जन को भारत की ऐतिहासिक धरोहर ष्जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए जागरूक करने के लिए, प्रदेश के विश्वविद्यालयों में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख अध्ययन एवं शोध प्रकोष्ठ बनाने के लिए कार्ययोजना बनाएंगे।

आज जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख का परिवेश भयमुक्त: प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता मुकुल कानिटकर ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने संबोधन में कहा कि वास्तविक अर्थों में 5 अगस्त 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सृजित भारतीय संविधान लागू हो सका है। स्वाधीनता के बाद भी 7 दशकों तक जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख को अलगाववाद के तांडव से मुक्त अपने मौलिक अस्तित्व के लिए संघर्ष करना प?ा। कानिटकर ने कहा कि अकादमिक और शैक्षणिक रूप से देश की एकात्मकता पर प्रश्न चिन्ह आज भी जस का तस है। एक समय था जब देश के गृह मंत्री भी जम्मू-कश्मीर में प्रवेश से भयभीत रहते थे किंतु 5 अगस्त 2019 के बाद परिदृश्य परिवर्तित हुआ है। आज जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख का परिवेश भयमुक्त है और ऐतिहासिक छल से मुक्त हुआ है।

योजनाओं की सफलता में जन-भागीदारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकारी योजनाओं और कार्यक्रम की सफलता में जन-भागीदारी का महत्वपूर्ण रोल होता है। यह बात नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री ने कहा। उन्होंने समाज के हर स्तर पर जन-भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। नरोन्हा प्रशासन अकादमी में मप्र मानव अधिकार आयोग के 30वें स्थापना दिवस के मौके पर नगरीय सुशासन- मानव अधिकार विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर स्मारिका का विमोचन किया। मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने बताया कि आयोग की पहुंच बढ़ाने के लिए 'आयोग आपके द्वार' कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। आयोग की मंशा है कि समाज के प्रत्येक नागरिक के साथ समान व्यवहार हो।

उर्दू यूनिवर्सिटी से उर्दू में एमएड और बीएड, होंगे स्पॉट प्रवेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी से उर्दू में एमएड और बीएड और बीए कराया जा रहा है। इसमें एडमिशन के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई। दस्तावेज जमा करने के लिए 17 सितबर अंतिम तारीख रखी गई है। राजधानी में उर्दू यूनिवसिर्टी का कैंपस है। यहां कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन के तहत कोर्स कराए जाते हैं। यहां उन उमीदवारों को प्रवेश दिए जा रहे हैं। जिन्होंने यूनिवर्सिटी की प्रवेश परीक्षा पास की थी और वह वरीयता सूची में नहीं आ पाए। बीएड में करीब 100 सीट और एमएड में 50 सीट हैं। इसमें प्रवेश के लिए उमीदवारों को दस्तावेज लेकर कैंपस पहुंचना होगा। बीएड में दाखिले के लिए कक्षा 12 में 40 प्रतिशत या इससे अधिक अंक पाने वाले ही पात्र होंगे। मीडियम उर्दू होना अनिवार्य है।

59 खंडपीठों में 23,373 मामलों का निराकरण, 122 पारिवारिक

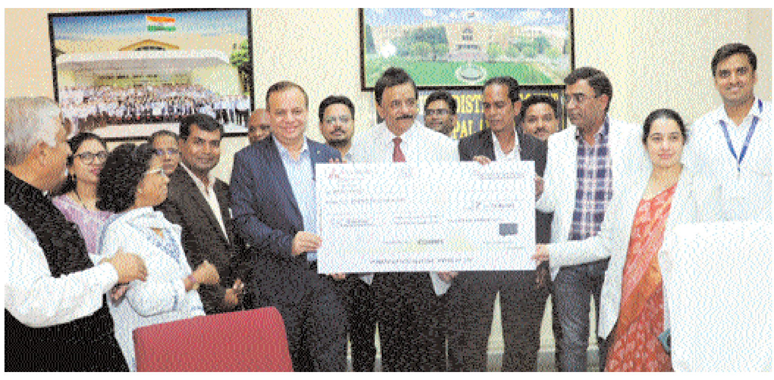

नेशनल लोक अदालत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिला न्यायालय परिसर में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसमें कुल 59 खण्डपीठों का गठन किया गया था। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर कुल 23373 मामलों का निराकरण हुआ। जिसमे 69 करोड़ 56 लाख 68 हजार 352 रूपए की अवार्ड राशि पारित की गई। इस बार कुल 1854 टैफिक-चालान का निराकरण किया गया। जिसमें कुल 7,20,500 रू. की राशि शासन के खाते में जमा की गई। लोक अदालत में लंबित रेफर्ड 16,961 प्रकरणों में से 3273 का निराकरण हुआ। प्री-लिटिगेशन के 45,086 प्रकरणों में 20 हजार 100 का निराकरण हुआ। चेक बाउंस से संबंधित 576, मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित 653, आपराधिक राजीनामा योग्य 736, 122 पारिवारिक, बैंक रिकवरी के 348, व्यवहारवाद के 73, विद्युत अधिनियम के 1536, श्रम विभाग से संबंधित 6, यातायात नियमों के उल्लंघन के 1854, जल कर एवं संपत्ति कर के 13,944 सहित 746 अन्य प्रकरण सुलझाए गए। कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश बीए प्रजापति एवं द्वितीय अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश वर्षा शर्मा के समक्ष उपस्थित हुए दोनों पक्षों को समझाइश दी गई और निराकरण किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्र ने पति-पत्नी को उपहार स्वरूप फलदार पौधा दिया।

मेट्रो एंकर | 31 लाख लोगों ने सीखा पढ़ना लिखना, ऐप के जरिए ली परीक्षा

साक्षरता के लिए मप्र में बना देश का पहला मॉडल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। लोगों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए प्रदेश में देश का पहला हाईटेक मॉडल तैयार हुआ है। इसके तहत बुजुर्गों को न केवल पढ़ना-लिखना सिखाया जा रहा है, बल्कि परीक्षा भी ली जा रही है। इसके लिए राज्य शिक्षा केंद्र ने ऐप विकसित किया गया है। हर घर की मानिटरिंग जियोटैग से की जा रही है।

प्रदेश में 15 वर्ष से ज्यादा उम्र के हर व्यक्ति को पढ़ना-लिखना सिखाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के तहत काम किया जा रहा है। इसमें एजेंसी राज्य शिक्षा केंद्र है। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 55 जिलों में 45 लाख लोगों की परीक्षा ली गई। दो साल में 31 लाख लोग पास हुए। परीक्षा मोबाइल पर हुई। जियो टैगिंग से हर उस घर की मानिटरिंग हुई, जहां लोगों ने पढ़ना-लिखना सीखा है। राज्य शिक्षा केंद्र ने इसमें शिक्षकों और स्कूल के विद्यार्थियों की मदद ली है। साक्षरता के लिए देश में यह अपनी तरह का अनोखा प्रयोग है। अधिकारियों के मुताबिक 2027 तक प्रदेश के हर जिले को पूर्ण साक्षर करने की योजना है।

अब दूसरे राज्यभी अपनाएंगे

इस मॉडल को देश के दूसरे राज्य भी अपनाएंगे। इसके लिए अगले सप्ताह एक समीक्षा कार्यशाला होने जा रही है। इसमें 11 राज्यों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

अभी 2011 के आधार पर काम

प्रदेश में ऐप के माध्यम से लोगों को साक्षर किया जा रहा है। जियोटैग से हर घर की मॉनिटरिंग हो रही है। साक्षरता में तकनीक का इस्तेमाल करने वालों में प्रदेश देश में सबसे आगे है। 2027 तक प्रदेश को पूर्ण साक्षर करने का लक्ष्य है। अन्य प्रदेशों में भी इस मॉडल को अपनाया जाएगा।

अभी 2011 के आंकड़ों को आधार बनाया

अधिकारियों के मुताबिक कार्यशाला में बताया जाएगा कि किस तरह से प्रदेश में साक्षरता बढ़ाने के लिए तकनीक और मानवीय संसाधन का उपयोग हो रहा है। प्रदेश में साक्षरता प्रतिशत के सही आंकड़े जनगणना में सामने आएंगे। अभी 2011 के आंकड़ों को आधार बनाया गया। उस समय हुई जनगणना के मुताबिक प्रदेश में एक करोड़ 35 लाख निरक्षर थे। वर्ष 2022 से नए सिरे परकाम शुरू किया गया था।

हिंदी साहित्य को जीवित रखने में थिएटर की भूमिका महत्वपूर्ण, छोटा पर्दा कर सकता है बड़ा काम

■ सीमा पाहवा

जब मैं अपने कला के सफर को पीछे मुड़कर देखती हूं तो बहुत सौभाग्यशाली महसूस करती हूं कि एक अभिनेत्री और निर्देशक के रूप में मुझे भारत की साहित्यिक समृद्धि का जश्न मनाने के कई अवसर मिले। अपने करियर के शुरुआती वर्षों में दिल्ली स्थित थिएटर समूह 'संभव' ने मुझे समाज को आईना दिखाने वाली कई बेहतरीन कहानियों का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान किया।

महामारी ने निश्चित रूप से हमारे व्यक्तिगत और रचनात्मक जीवन को बदल दिया और थिएटर कलाकारों के लिए अपने काम को घर बैठे दर्शकों तक पहुंचाना बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिया। यहां तक कि महामारी के बाद भी लोग टिकट खरीदकर थिएटर या फिल्म देखने जाने के लिए कम समय निकाल पा रहे हैं। यही कारण है कि अब हमें छोटे पर्दे की ज़रूरत है, ताकि अच्छे कंटेंट को एक बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाया जा सके। जब मैं अपने कला के सफर को पीछे मुड़कर देखती हूं तो बहुत सौभाग्यशाली महसूस करती हूं कि एक अभिनेत्री और निर्देशक के रूप में मुझे भारत की साहित्यिक समृद्धि का जश्न मनाने के कई अवसर मिले। अपने करियर के शुरुआती वर्षों में दिल्ली स्थित थिएटर समूह 'संभव' ने मुझे समाज को आईना दिखाने वाली कई बेहतरीन कहानियों का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान किया।मैं कहूंगी कि थिएटर ने हिंदी साहित्य को जीवित रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कई क्लासिक नाटक वास्तव में मुंशी प्रेमचंद, भीष्म साहनी और जयशंकर प्रसाद जैसे हिंदी साहित्यकारों की कृतियों से प्रेरित हैं। थिएटर ने साहित्य को एक बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाने में भी बड़ी भूमिका निभाई है।

जब मुझे साहित्यिक संकलन 'कोई बात चले' का निर्देशन करने का अवसर मिला तो मैंने भी इस उम्मीद के साथ सआदत हसन मंटो, मुंशी प्रेमचंद और हरिशंकर परसाई की कालजयी कहानियों को चुना कि ये कहानियां युवाओं के बीच उनकी साहित्यिक इतिहास को फिर से जानने की इच्छा पैदा करेंगी।एक अभिनेत्री के रूप में भी, चाहे वह मंच हो या स्क्रीन, मुझे महान लेखकों द्वारा लिखे गए किरदारों को निभाने का अवसर मिला है। यहां तक कि भारत के पहले टेलीविजन सोप ओपेरा 'हम लोग', जिसमें मैंने अभिनय किया था, उसे साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता लेखक मनोहर श्याम जोशी ने लिखा था। मेरा किरदार 'बड़की' हर उस भारतीय लड़की का प्रतीक बन गया, जिसे रंगभेद के कारण भेदभाव का सामना करना पड़ा। इस शो की सफलता ने यह साबित किया कि भाषा एक शक्तिशाली सामाजिक टिप्पणी का माध्यम हो सकती है।

हिंदी दिवस विशेष

मैं 'साग मीट' नाटक को लेकर भी बेहद गर्व महसूस करती हूँ, जिसे मेरे पसंदीदा लेखकों में से एक, भीष्म साहनी ने लिखा था। इस नाटक के 100 से अधिक शो करना मेरे लिए एक बेहद संतोषजनक रचनात्मक अनुभव था। अगर मैं अपने पसंदीदा कहानीकारों की बात करूं तो राजिंदर सिंह बेदी एक और दिग्गज हैं, जिनके काम ने कई फिल्मों और थिएटर प्रस्तुतियों को प्रेरित किया है। इस्मत चुगताई और मंटो की उर्दू कृतियों को भी कई बार नाटकों और फिल्मों में रूपांतरित किया गया है।

जहां तक 'टोबा टेक सिंह', 'हतक', 'ईदगाह', 'गुल्ली डंडा', 'मम्मद भाई' और 'एक फिल्म कथा' जैसी कहानियों की बात है तो मुझे बेहद खुशी है कि इन्हें उस समय संजोकर रखा गया जब हम अपने ही साहित्यिक धरोहर से दूर होते जा रहे हैं। लोग थिएटर देखने के लिए बहुत कम आते हैं और टेलीप्ले नई पीढ़ी और आम जनता को, बिना बाहर गए, अपने घर पर ही भारतीय साहित्य की सुंदरता को जानने में मदद कर रहा हैं। महामारी ने निश्चित रूप से हमारे व्यक्तिगत और रचनात्मक जीवन को बदल दिया और थिएटर कलाकारों के लिए अपने काम को घर बैठे दर्शकों तक पहुंचाना बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिया। यहां तक कि महामारी के बाद भी लोग टिकट खरीदकर थिएटर या फिल्म देखने जाने के लिए कम समय निकाल पा रहे हैं। यही कारण है कि अब हमें छोटे पर्दे की ज़रूरत है, ताकि अच्छे कंटेंट को एक बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाया जा सके। मैं इस बात की भी सराहना करती हूं कि कैसे विभिन्न भाषाओं में नाटकों के अनुवाद और रूपांतरण दर्शकों को भारत की विविध संस्कृतियों से फिर से जोड़ रहे हैं और उन्हें हमारे मूल मूल्यों और भावनाओं की वैश्विकता को समझने में मदद कर रहे हैं। %टोबा टेक सिंह% जैसी कहानी कन्नड़ या तेलुगू में अनुवादित होने पर भी विस्थापन की त्रासदी और लाखों लोगों की मनोवृत्ति पर विभाजन के प्रभाव की याद दिलाती रहेगी। मंटो की 'हतक' महिलाओं के अमानवीयकरण और उनकी अखंडता के बारे में है। यह आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी तब थी जब इसे पहली बार लिखा गया था। हरिशंकर परसाई की 'एक फिल्म कथा' जनप्रिय सिनेमा पर एक व्यंग्य है, और किसी भी भाषा में इसका हास्य और विडंबना दर्शकों को मनोरंजन प्रदान करेगी।

मुझे लगता है कि हर किसी ने किसी न किसी समय प्रेमचंद की 'ईदगाह' के बारे में पढ़ा या सुना है। इस कहानी की ताकत उसकी सादगी में है और इसमें सहानुभूति, उदारता और दयालुता की शक्ति का चित्रण है। मुझे लगता है कि थिएटर को छोटे शहरों और दूर-दराज के इलाकों तक ले जाना चाहिए। हमें साहित्य को बड़े और छोटे पर्दे पर ही नहीं बल्कि मंच पर भी जीवंत करना चाहिए। यह समझने के लिए कि हम कौन हैं और दुनिया में हमारी जगह क्या है, हमें अपने मूल, अपनी कहानियों और अपनी उत्पत्ति को जानना जरूरी है।

ऑक्सीजन संकट से मछलियों की बदलती दुनिया

■ के.पी. सिंह

वर्ष 1960 के मुकाबले आज समुद्रों में ऑक्सीजन की कमी एक गंभीर समस्या बन चुकी है। खुले महासागर में 17 लाख वर्गमील से अधिक क्षेत्र में ऑक्सीजन की कमी देखी जा रही है, जो समुद्र के अन्य हिस्सों की तुलना में 4 से 5 फीसदी कम है, और कुछ स्थानों पर तो यह कमी 15 फीसदी तक पहुंच गई है। यह समस्या ग्लोबल वार्मिंग के कारण समुद्री तापमान में वृद्धि और अम्लीकरण से अलग है। नीदरलैंड के रेडबौड विश्वविद्यालय के इको-फिजियोलॉजिस्ट विल्को वर्बर्क के अनुसार, समुद्र का बढ़ता तापमान ऑक्सीजन की कमी का मुख्य कारण है। 70 डिग्री फ़ारेनहाइट तक गर्म होने पर समुद्री ऑक्सीजन में कमी स्वाभाविक है। जब समुद्र में ऑक्सीजन कम होती है, तो मछलियों और अन्य समुद्री जीवों के लिए जीवन जीना कठिन हो जाता है, क्योंकि मछलियों को भी सांस लेने की आवश्यकता होती है।वर्ष 1960 से 2010 के बीच, दुनियाभर के महासागरों में औसतन दो फीसदी ऑक्सीजन कम हुई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस सदी के अंत तक यह कमी बढ़कर 7 फीसदी हो जाएगी। कुछ विशेष क्षेत्रों, जैसे पूर्वोत्तर प्रशांत, में ऑक्सीजन की कमी 15 फीसदी से अधिक हो गई है। इस वजह से 25 से 30 फीसदी समुद्री जीवों की प्रजातियां या तो पलायन कर गई हैं या मर गई।

आईपीसीसी की 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, 1970 से 2010 के बीच, कुछ महासागरीय क्षेत्रों में ऑक्सीजन की कमी के कारण बड़ी मछलियों की संख्या घट गई है। अब इन क्षेत्रों में जेलीफिश जैसी मछलियां बढ़ गई हैं, जो कम ऑक्सीजन की परिस्थितियों में जीवित रह सकती हैं। जेलीफिश की संख्या 3 से 8 फीसदी बढ़ी है, जो यह दर्शाती है कि इन क्षेत्रों में समुद्री जीवन असामान्य रूप से बदल रहा है। दक्षिण-पूर्वी चीन के समुद्र तट पर बॉम्बे डक मछली की प्रजाति ने हाल के वर्षों में तेजी से वृद्धि की है। बॉम्बे डक, जो जेलीफिश जैसी बनावट की होती है, कम ऑक्सीजन में जीवित रह सकती है और यह विशेषतः ऑक्सीजन की कमी वाले क्षेत्रों में बढ़ रही है। एक दशक पहले जहां मछली पकड़ने वाले जहाज प्रति घंटे 40-50 पौंड मछली पकड़ते थे, वहीं अब यह मात्रा बढ़कर 440 पौंड तक पहुंच गई है। ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के मत्स्य पालन शोधकर्ता डेनियल पॉली के अनुसार, इस मछली की अत्यधिक वृद्धि को खौफनाक कहा जा सकता है। हालांकि, यह वृद्धि समुद्री जीवन में असंतुलन का संकेत देती है। ऑक्सीजन की कमी के कारण अन्य मछलियां या तो मर गई हैं या पलायन कर गई हैं, और बॉम्बे डक उन प्रजातियों में से है जो कम ऑक्सीजन के बावजूद जीवित रह सकती हैं।

इस स्थिति से वैश्विक इकोलॉजी में असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। समुद्री ऑक्सीजन की कमी की समस्या ग्लोबल वार्मिंग से भी बड़ी है, क्योंकि इससे महासागरों में जीवों की विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि भविष्य में महासागर और अधिक गर्म होंगे और ऑक्सीजन की कमी जारी रहेगी, जिससे समुद्री जीवन की संरचना में बड़े परिवर्तन होंगे। इस प्रकार, समुद्री ऑक्सीजन की कमी वैश्विक पर्यावरणीय संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो न केवल महासागरीय जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि पूरी धरती के इकोसिस्टम को भी खतरे में डालता है। इस समस्या का समाधान केवल ग्लोबल वार्मिंग और अन्य पर्यावरणीय मुद्दों के साथ समन्वयित प्रयासों से ही संभव है। -साभार

क्रिटिसाइज कीजिए मगर रोक लगाना सही नहीं

भारत के मशहूर व सफल लेखकों में शुमार चेतन भगत का मानना है कि आलोचना की जानी चाहिए लेकिन किसी लेखक की कृति पर रोक लगाना सही नहीं है। चेतन ने यह बात हाल में 'इंडिया टुडे माइंड रॉक्स यूथ समिट में कही है। राजदीप सरदेसाई से बातचीत में उन्होंने कहा कि अगर आप क्रिएटर्स पर मॉब अटैक करेंगे कि ये कैसे इसने बनाया, हिम्मत कैसे हुई दिखाने की तो आप आर्टिस्ट का सेल्फ एक्सप्रेशन खत्म कर रहे हो और उसके साथ साथ अपना भी सेल्फ एक्सप्रेशन खत्म कर रहे हो। आप ये कह रहे हो कि हम ऐसे समाज में रहना चाहते हैं जहां कोई इन चार्ज है और हम बंदी हैं. तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई लाइन से बाहर निकलने की, अलग सोच रखने की, ये करने की. तो अगर वैसा समाज बनना चाहते हैं तो अभी फैसला कर रहे हैं. इंडिया बहुत अच्छा स्लेव दुनिया में हो सकता है. हम 1000 सालों तक स्लेव रहे हैं. लेकिन अगर चाहते हैं कि आपको महान आर्ट मिले, तो ये आपको कभी कभी नाराज भी कर सकता है. आप इसकी आलोचना कर सकते हैं. आप कह सकते हैं कि ये बेवकूफी भरा है, कचरा है, ठरक भरा है. आप ये भी कह सकते हैं कि ये सबसे घटिया फिल्म है. इस बंदे ने झूठ दिखाया गया है. ये ठीक है. लेकिन जिस वक्त आप कहते हैं इसे बैन करो, बंदे को जेल में डालो. ये कॉमेडियन्स के साथ हुआ है. हर तरह के आर्टिस्ट के साथ हुआ है. मैंने भी ऑफेंसिव आर्टिस्ट अपने देश में देखे हैं लेकिन मैं कहता हूं कि उन्हें वैसा ही रहने दीजिए. उनकी अभिव्यक्ति की आजादी, आपकी अभिव्यक्ति की आजादी है. अगर आप किसी की अभिव्यक्ति की आजादी को काटेंगे क्योंकि ये आपको अप्सेट कर रही है, तो कल आपकी अभिव्यक्ति की आजादी ले ली जाएगी और आपके पास कोई लोकतंत्र नहीं बचेगा।

चेतन भगत ने फिल्म '3 इडियट्स' के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अगर आपने ये फिल्म नहीं देखी है तो आपको आधार कार्ड नहीं मिल सकता। इसके लिए फिल्म को देखना जरूरी है। चेतन से पूछा गया कि जब उन्होंने किताब '5 पॉइंट सम्वन' को लिखा, जिससे '3 इडियट्स' प्रेरित है, तो क्या वो सही में आईआईटी का सच दुनिया के सामने रख रहे थे और जब उन्होंने आमिर खान को फिल्म में देखा तो क्या उन्हें ऐसा लग रहा था कि वो खुद को पर्दे पर देख रहे हैं ? इस पर चेतन भगत ने कहा कि हां, लेकिन मैंने कैंपस में जूबी डूबी नहीं किया था। लेकिन हां, ये स्टोरी मेरे दोस्तों की कहानी थी. मैं कहूंगा कि ये मेरी सबसे प्योर किताब है, क्योंकि तब कोई मुझे नहीं जनता था. मैं पॉपुलर नहीं था। मैं तब बेस्ट बिकने वाली किताबें लिखने की कोशिश नहीं कर रहा था. मैं बस अपने कॉलेज की स्टोरी लिख रहा था. मैंने नहीं सोचा था कि इसे इतना पसंद किया जाएगा. मैं 10 से ज्यादा किताबें लिखी हैं लेकिन दो बेस्ट किताबें वही हैं जो मेरी जिंदगी से की कहानी से आई हैं. वो हैं 5 पॉइंट सम्वन और 2 स्टेट्स. ये दोनों मेरी जिंदगी पर आधारित हैं और इसकी वजह से ये मुझे सबसे सही तरीके से रिप्रेजेंट करती हैं. वही मेरे लिए काम कर गया है. क्या आपको लगता है कि जितना आप लोगों के इश्यू के बारे में लिखते हैं, उतना ही लोग भी उस किताब से जुड़ते हैं. क्या ये भी जरूरी है. इसके जवाब में चेतन भगत ने कहा कि हां, ये जरूरी है. नोटिस कीजिए कि जो भी किताब या फिल्म फेमस हुई है वो समाज में होने वाली किसी न किसी चीज को क्रिएटिव तरीके से रिप्रेजेंट करती है. मैं ऐसे में एक बात कहना चाहता हूं. ये मेरी किताबों के साथ नहीं हुआ है. लेकिन कभी कभी लोग इतने अप्सेट लोग जाते हैं सिर्फ एक मूवी को लेकर कि ये लोग ऐसे ये कैसे दिखा सकते हैं. ये क्रिएटर ऐसे कैसे दिखा सकता है. कैसे ये द्रुष्ट 814 वालों ने दिखा दिया. वो ये दिखा सकते हैं क्योंकि कोई क्रिएटर इसे बना रहा है और वो अपनी बायस इसमें डाल सकता है. ये न करना नामुमकिन है. लेकिन ऐसे ही आर्ट बनाता है. सच्चा आर्ट लोगों को ऑफेंड कर सकता है. जब मैंने आईआईटी के बारे में वो किताब लिखी थी तो उसमें बताया गया था कि कैसे वहां के प्रोफेशर खराब होते हैं. तो जाहिर है वो इसे लेकर नाराज थे।

चेतन ने बताया कि अब ये मुश्किल हो रहा है, क्योंकि मैं 20 सालों से यहां हूं। पॉजिटिव और निगेटिव हर तरह का फीडबैक आपके दिमाग पर असर डालता है। जिस पल आप इस बात की परवाह करने लगते हैं कि किताब कितनी अच्छी चल रही है, कितनी बुरी चल रही है, लोग कितनी आपकी तारीफ कर रहे हैं, कितनी आपकी आलोचना हो रही है. यहीं फॉर्मूला बिखर जाता है. फॉर्मूला ये है कि ये चीज आपके अंदर से आनी चाहिए. मुझे लगता है किसी भी तरह के आर्ट के लिए यही सीक्रेट है।

क्या है चेतन की हिट किताबों का फॉर्मूला?

चेतन भगत से जब पूछा गया कि आपकी किताबें समाज में बदलाव का सिंबल बन गई हैं. चेतन भगत का क्या फॉर्मूला हैं एक बेस्टसेलर और ब्लॉकबस्टर किताब को लिखने का ? चेतन ने कहा कि मुझे आपको मारना पड़ेगा अगर मैंने ये बात आपको बताई, लेकिन फिर भी मैं बताता हूं. असल में मैं काफी वक्त से यहां हूं. 20 साल हो गए हैं मेरी पहली किताब को निकले. मैंने भी इस बारे में सोचा है कि आखिर क्या है वो चीज जो काम कर जाती है. काश मुझे पता होता. क्योंकि मैंने चैटजीपीटी का इस्तेमाल किया है. इससे कुछ नहीं होता। लेकिन बेस्ट कारण अभी तक जो मुझे पता चला है वो ये है कि, रिक रुबिन्स नाम के बड़े म्यूजिक प्रोड्यूसर हैं उन्होंने कहा है कि जब भी आप कुछ बनाते हैं, अपने लिए उसे बनाएं, भले ही उसे कोई पढ़ न रहा हो. अपने लिए चीजों को क्रिएट करें तो ये आपके अंदर से किसी न किसी तरह के एक्सप्रेशन की तरह आएगा. और वही वो चीज है जो काम कर सकती है. आप जितना ज्यादा सोचेंगे कि ये किताब मार्केट में चलेगी, ये प्रोग्राम टीवी पर छा जाएगा, वही कभी काम नहीं करता. मेरी जो किताबें चली हैं वो वही थीं जो मैंने मेरे बारे में लिखी थीं।

लोक अदालतें समाज में सामंजस्य स्थापित कर रही हैं: न्यायाधीश तबस्सुम खान

नेशनल लोक अदालत में निपटे कुल 142 प्रकरण

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

सिवनी मालवा में लोक अदालतो के माध्यम से आपसी राजीनामा से प्रकरणो का निराकरण किये जाने से समाज में सामंजस्य स्थापित होता है। पक्षकार आपसी राजीनामा कर अपनी वेमनस्यता को भूलाकर अपने संबंधो को निभाते है। उक्त बात जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री मती तबस्सुम खान ने नेशनल लोक अदालत के अवसर पर कही। न्यायाधीश श्रीमती खान ने कहा कि लोक अदालत की शुरुआत सरकार ने आपसी सहयोग और भाई चारा के उद्देश्य से किया था। लोक अदालते अपने उदेश्यों को पूरा कर समाज में आपसी भाईचारा की स्थापना करने में कारगर हो रही है। आज राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। जिसका लाभ लोग अपने प्रकरणो में आपसी राजीनामा कर उठा सकते है। अधिवक्ता संघ अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने कहा कि सरकार ने लोक अदालत के माध्यम से समाज को नई दिशा देकर मनमुटाव को कम करने का प्रयास किया है। लोक अदालत में कुल 142 प्रकरणो का निपटारा राजिनामा उपरान्त किया गया। जिसमे न्यायालय में पक्षकारो के मध्य राजिनामा होने पर क्रिमिनल कम्पाउंडेवल के 9, चेक बाउंस के 21 प्रकरणो में 47 लाख 12 हजार 504 रुपये का आदान प्रदान हुआ, मोटर दुर्घटना के 10 प्रकरणो में बीमा कम्पनी से 32 लाख 10 हजार रुपया बीमा कम्पनी से पक्षकारो को प्राप्त हुए, वैवाहिक विवाद के 25 प्रकरणी में पति पत्नी के मध्य आपसी राजीनामा उपरांत वैवाहिक संबंधो की पुनः स्थापना हुई इसी तरह दीवनी मामलो के 5 प्रकरण पक्षकारो के मध्य सुलह के बाद निराकृत किये गये। बैंक और नगरपालिका में 55 प्रकरणो में प्रीलिटिगेशन से 6 लाख 6 हजार 444 रुपयों की वसूली की गयी। अनुविभागीय अधिकारी न्यायालय में 15 प्रकरण, तहसीलदार न्यायालय में57 प्रकरणो का निपटारा हुआ। न्यायाधीश साहंगी दुगल के न्यायालय में भरण पोषण के प्रकरण सरिता विरुद्ध दीपेश राठौर के प्रकरण में पतिपत्नी को समझाइस के बाद आपसी राजीनामा कर प्रकरण निपटाकर वैवाहिक संबंध की पुनः स्थापना कराई गयी। सभी वैवाहिक विवाद के प्रकरणो में आपसी राजीनामा उपरांत समाप्त कर पौधे वितिरत कर पौधों के संरक्षण की शपथ दिलाई गयी।कार्यक्रम में समस्त अधिवक्ता न्यायालयीन कर्मचारी गण एवं पक्षकार गण उपस्थित रहे।

महाआरती में शामिल हुए मंत्री विश्वास सारंग और विधायक शर्मा

इटारसी। इच्छापूर्ति गणेश मंदिर में स्थापित गणेश प्रतिमा की महा आरती में मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग व नर्मदापुरम विधायक डॉक्टर सीता शरण शर्मा शामिल हुए। इस दौरान 56 भोग का आयोजन भी किया गया, इस मौके पर समिति के संरक्षक सन्नी छावड़ा, मन्नी छावड़ासहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सफाई मुकददमों को अंतिम चेतावनी, सफाई कार्य में लापरवाही हुई तो कार्रवाई होगी

'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' थीम के साथ मनाया जाएगा पखवाड़ा

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

स्वच्छ भारत मिशन अभियान को और अधिक गति देने इस वर्ष 'स्वच्छता ही सेवा 2024' पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' थीम के साथ मनाया जाएगा। इटारसी इस अभियान को पूरी प्रतिबद्धता के साथ सफल बनाने में कार्य करेगा।

इस संबंध में नगरपालिका अध्यक्ष इटारसी पंकज चौरे और सीएमओ रितु मेहरा ने नपा सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग प्रभारी उपयंत्री मयंक अरोरा सहित विभाग के मुकददम व अन्य मौजूद थे। उपयंत्री मयंक अरोरा ने बताया कि बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने सफाई मुकददमों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों निरीक्षण में कई कर्मचारी दोपहर की पाली में गायब मिले थे लेकिन आप लोगों ने अपने विभाग प्रमुख की सूचना नहीं दी, अक्सर दोपहर की पाली में कर्मचारी सफाई कार्य नहीं करते दिख रहे हैं, लेकिन आप लोगों को कोई परवाह नहीं है। नपाध्यक्ष श्री चौरे ने कहा कि यह अंतिम चेतावनी हम दे रहे हैं यदि सुबह या दोपहर की पाली में सफाई कर्मचारी काम पर नहीं आ रहे तो आप उन पर कार्रवाई के लिए हमें लिखें, यदि आप लोग नहीं लिखेंगे तो आप पर कार्रवाई होगी। क?योंकि वार्डों में सफाई व?यवस?था के लिए आप लोग जिम्?मेदार व?यक्ति हैं।

दोपहर में गैंग बनाकर हो सफाई

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बैठक में उपयंत्री मयंक अरोरा को निर्देश दिए हैं कि दोपहर की पाली में आसपास के वार्डों के सभी कर्मचारियों को एक साथ बुलाकर सफाई कार्य कराएं और प्रतिदिन स्थान बदलें।

स्वच्छता ही सेवा पखवाडा में यह होगा

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले पखवाड़ा में स्वच्छता के लिए जन सहभागिता ली जाएगी। स्वच्छता मित्रों को उनके लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। स्वच्छता मित्रों के लिए हैल्थ कैंप लगाए जाएंगे। उनके लिए कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भूतपूर्व छात्रों का मिलन एवं शिक्षक सम्मान समारोह हुआ

इटारसी। आदर्श आवासीय विद्यालय जनजाति कार्य विभाग द्वारा संचालित है जिसमे सभी छात्र आवासीय परिसर में रहकर अध्ययन करते हैं। आदर्श आवासीय विद्यालय की स्थापना सन् 1986 के बाद विद्यार्थियों का प्रथम बैच सन 1989 में 12 वी परीक्षा उत्तीर्ण किया और अलग-अलग क्षेत्रों में 1989 के बाद विद्यार्थी जो कि इस विद्यालय से पढ़कर निकले हैं जिनमें आईएस आफीसर , कृषि अधिकारी,डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, लोको पायलट ,शिक्षा विभाग ,रक्षा विभाग, पुलिस विभाग,एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं । 15 सितंबर को सभी भूतपूर्व छात्र आदर्श आवासीय विद्यालय में एकत्रित होकर विद्यालय में अध्ययन करने वाले छात्रों से प्रेरणा संवाद स्थापित करेंगे साथ ही अपने गुरुजनों का सम्मान करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य अपने सहपाठियों से मिलना एवं गुरुजनों का सम्मान करना जिनकी शिक्षा से अच्छा मुकाम हासिल किया है। यह जानकारी अधीक्षक भूपेंद्र साहू द्वारा दी गई।

शिक्षकों को समयपूर्व पहुंचे के निर्देश दिए

संभागायुक्त स्कूल व पंचायत का औचक निरीक्षण करने पहुंचे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

संभागायुक्त तिवारी ने शासकीय पीएम श्री उमा स्कूल आंचलखेडा का आकस्मिक निरीक्षण किया। विद्यालय में प्रातः 10:30 बजे विद्यार्थी एवं शिक्षक विलंब से आते दिखाई दिए जिस पर संभागायुक्त ने प्राचार्य को हिदायत दी की वे स्कूल के निर्धारित समय से 10 मिनिट पहले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि शिक्षक एवं स्टाफ की उपस्थिति सार्थक या फेस आई बायोमेट्रिक मशीन से ली जाए। उन्होने स्कूल में दर्ज 503 विद्यार्थियों में से मात्र 275 विद्यार्थियों की उपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की एवं प्राचार्य को छात्रों की उपस्थिति सुधारने की सख्त हिदायत दी। स्कूल में विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता भी कमतर पाई गई। संभागायुक्त ने शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए। उन्होने दिव्यांग विद्यार्थियों को सामान्य विद्यार्थियों की तरह ही अवेयर करने के निर्देश दिए।इसके पश्चात संभागायुक्त ने जनपद पंचायत माखननगर ,तथा नया साकई जनपद पंचायत सोहागपुर का ओचक निरीक्षण किया ।

इस दौरान उन्होने आचलखेडा मे ट्रान्सफारमर से अनेक वायर खुले हुऐ झूलते हुऐ स्कूल परिसर से निकल रहे है जिन्हे ठीक करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त को बताया गया कि -नया बोरी (माखननगर)आरोग्य मंदिर पर ताला लगा पाया गया है बताया गया की डाक्टर पदस्थ नही होने से हमेशा केन्द्र बंद रहता है । बताया गया कि साकई में आंगनवाड़ी भवन तैयार है किंतु आंगनबाड़ी संचालन अप्रारंभ है। संभागयुक्त ने आंगनबाडी का संचालन करने के निर्देश दिए। बताया गया कि राजस्व विभाग को ग्राम को अधिसूचित करना है। खेती के लिए रात्रि मे लाईट दी जाती है जिससे असुविधा होती है अतः लाईट का समय निर्धारित किया जाऐ। बताया गया कि मेन विधुत लाईन जली हुई है, तार झूल रहे है। इसके अलावा जल जीवन मिशन पाईप लाईन बिछा रहे स्तोत्र ढूंढ कर बोरिंग की नही जबकि बोरिंग पहले करना चाहिए। तथा ग्राम मे आंगनबाड़ी, आशा कार्यकर्ता नही होने से टीकाकरण नही हो रहा है और प्रसव घर पर हो रहे है। संभागायुक्त ने उक्त सभी स्थिति सुधारने के निर्देश दिए। उन्होने नया साकई से सुपलई रोड ठीक कराने के निर्देश दिए।

आरटीओ ने जनजातीय कन्या छात्रावास का निरीक्षण किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

आरटीओ निशा चौहान ने नर्मदापुरम शहर के शासकीय जनजातीय महाविद्यालय कन्या छात्रावास आनंद नगर का निरीक्षण किया। जिसमे छात्रावास में सभी व्यवस्था जैसे - भोजन गुणवत्ता, खेल सामग्री, संगीत सामग्री, लाइट, रखरखाव तथा सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। इसके बाद आरटीओ अधिकारी द्वारा छात्रावास में मौजूद छात्राओं से चर्चा कर उनकी राय जानी गई तथा छात्रावास में होने वाली असुविधा - सुविधा की जानकारी ली गई जिस पर छात्राओं द्वारा छात्रावास में सभी सुविधाओं पर संतोष जताया गया। छात्रावास में सफाई बेहतर पाई गई। पौधो तथा बगीचे को अच्छा पाया गया। समय पर खाना दिया जाना और सभी कार्य समय अनुसार पाए गए तथा किसी भी प्रकार की परेशानियां नही बताई गई। आरटीओ अधिकारी द्वारा छात्राओं को उनके बेहतर भविष्य के लिए तथा आने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु किताबे उपलब्ध कराने तथा तैयारियों के लिए टिप्स दिए गए और मोटिवेट किया गया जिससे छात्राओं को अपने आने वाले प्रतियोगी परीक्षाओं में मदद मिल सके।

आरटीओ अधिकारी ने सभी छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी भी दी। साथ ही सभी के ड्राइविंग लाइसेंस बनाने में मदद करने का आश्वासन दिया गया। लाइसेंस बनने के बाद ही गाड़ी सड़क पर चलाने के लिए प्रेरित किया गया। छात्रावास निरीक्षण के दौरान छात्रावास अधीक्षिका श्रीमति दीपाली वर्मा, परिवहन विभागीय दल के साथ समस्त छात्रावास स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रही।

मेट्रो एंकर | पूर्व केंद्रीय मंत्री का भारत कृषक समाज ने किया स्वागत

जिले के किसानों ने अपनी बात पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव के समक्ष रखी

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

भारत कृषक समाज द्वारा आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव कार्यक्रम में नर्मदापुरम जिले के किसानों के प्रतिनिधि मंडल ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव जी से मुलाकात की एवं कार्यक्रम में किसान की समस्या को लेकर चर्चा हुई एवं खेती के अन्य विषय पर भी किसानों ने अपनी बात पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव के समक्ष रखी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने कहा कि जिस प्रकार स्वर्गीय पिताजी सुभाष यादव जी लगातार किसानों के लिए संघर्ष करते रहे एवं उनका अधिकार दिलाया इस प्रकार मैं भी आपके साथ हूं,जब कभी भी आपको कोई समस्या हो आप मुझसे संपर्क कर सकते हैं मैं आपके साथ हूं।

इस अवसर पर भारत कृषक समाज के प्रांत सचिव अधिवक्ता मधुसूदन यादव, अधिवक्ता मुकेश यादव म. प्र. उच्च न्यायालय, शैलेंद्र दीवान पूर्व , लाखन सिंह पटेल नरसिंहपुर,हेमंत दुबे जामनी,राधेश्याम पटेल सिवनी मालवा, विधायक दिनेश गुर्जर , राम कृष्ण बाँके थुआ , लक्ष्मीनारायण पवॉर हरदा , राधेश्याम पटेल , महेंद्र शर्मा , कल्लू यादव,रुपेश यादव ,रामशंकर लौवंशी , गोपालकृष्ण शर्मा , शैलेंद्र गोयल, चिमनलाल यादव , जितेंद्र सोलंकी , तेजकुंवर सिसोदिया , मीना वर्मा , रुखसाना खान, मंजू कोरी, रितु यादव, कमल चौधरी , प्रमोद यादव बाबई, सत्येंद्र फौजदार , संजय गोठी, नरेंद्र यादव सुखतवा , गोटी ,पुष्पराज पटेल , बाबू चौधरी , कपिल यादव निटाया,सुरेंद्र रघुवंशी रायसेन , ओमप्रकाश मालवीय बुधनी , नरेश चौहान , अजय शुक्ला , अमोल उपाध्याय, रमेश बामने , पंकज राठौर, दिलीप पालीवाल, साकेत सोनी पिपरिया, , मनीष देवड़ा शिवपुर, राजेश यादव , , डॉ श्याम अहिरवार एडवोकेट गुमान माडले, किसान उपस्थित थे।

पिपरिया में विधायक की उपस्थिति में रोजगार मेले का आयोजन किया गया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया में करियर प्रकोष्ठ अंतर्गत रोजगार मेले का आयोजन किया गया । रोजगार मेले में पिपरिया क्षेत्र के विधायक ठाकुर दास नागवंशी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए । साथ ही श्रीमती नीना नवनीत नागपाल नगर पालिका परिषद अध्यक्ष, श्रीमती ममता नागवंशी भाजपा जिला महामंत्री एवं अनुविभागीय अधिकारी सुश्री अनीशा श्रीवास्तव ने विशेष अतिथियों की भूमिका निभाई ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं प्राचार्य डॉ राकेश कुमार वर्मा के स्वागत उद्बोधन से किया गया । तदोपरांत छात्र प्रतिनिधि हरप्रीत नागपाल ने विद्यार्थियों को कौशल संवर्धन हेतु प्रेरित किया। विशेष अतिथियों ने भी विद्यार्थियों को उद्बोधन द्वारा प्रेरित किया। एस. डी. एम. ने लक्ष्य की महत्ता बताई। वही नगरपालिका परिषद अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को जीवन में आए अवसरों को स्वीकार करने की बात कही । विधायक श्री नागवंशी विद्यार्थियों से रूबरू हुए उनसे बात की और उन्हें प्रेरित किया । रोजगार मेले में नवकिसान बायोटेक, एक्सिस बैंक, जील फैशन, ट्राइडेंट, वर्धमान, प्रथम एजुकेशन भोपाल, भारतीय जीवन बीमा, डी.डी.यू.जी.के. वाय., एस बी आई लाइफ इंश्योरेंस, सहित 20 कंपियों ने अपने प्रतिनिधि शामिल किए । मेले में कुल 378 विद्यार्थियों ने कंपनियों से जानकारी प्राप्त की और कार्य के प्रति रुचि दिखाई । जिसमें से 360 विद्यार्थियों का प्राथमिक चयन हुआ । चयनित विद्यार्थियों को कंपनी द्वारा इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा । और सफल विद्यार्थियों को नौकरी दी जाएगी । रोजगार मेले में जिला रोजगार अधिकारी डॉ ए. बी. खान और श्री धर्मेश तिवारी ने अहम भूमिका निभाई । कार्यक्रम के अंत में प्रो. किटी मौर्य, करियर प्रकोष्ठ सदस्या ने सभी को आभार ज्ञापित किया । मंच संचालन करियर प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ अनिता सेन द्वारा किया गया ।

नियम विरुद्ध चलते पाए गए वाहनों की जांच कर वसूला गया जुर्माना

सिरोंज। जिला परिवहन विभाग द्वारा आज गुलाबगंज एवं गंज बासौदा में वाहनों की जांच कार्यवाही कर नियम विरुद्ध चलते पाए गए वाहनों के चालान बनाए गए हैं। जिला परिवहन अधिकारी गिरजेश वर्मा ने बताया कि इस कार्यवाही के दौरान 45 वाहन नियम विरुद्ध चलते पाए गए थे जिनके विरुद्ध चलानी कार्यवाही की जाकर उनमें से 15 वाहनों से शमन शुल्क 53 हजार रुपए वसूल किया गया है। शेष 30 वाहन प्रकरण निराकरण की प्रत्याशा में जप्त किए गए हैं। जिनमें से 09 वाहन पुलिस थाना गुलाबगंज एवं 21 वाहन पुलिस थाना बासौदा में सुरक्षार्थ रखे गए हैं। जप्त वाहनों में 15 बिना रजिस्टर्ड ई-रिक्शा एवं ऑटो रिक्शा तथा अन्य 15 वाहन टैक्सी एवं भारवाही वाहन हैं।

सिरोंज पॉलिटेक्निक में दाखिला हेतु संस्था स्तर पर काउंसलिंग के आवेदन 15 तक आमंत्रित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय सिरोंज के प्राचार्य अंकुर सक्सेना ने बताया कि संस्था स्तरीय काउंसलिंग के माध्यम से महाविद्यालय में इच्छुक विद्यार्थियों को प्रवेश पाने का सुनहरा अवसर है। संस्थान में काउंसलिंग प्रक्रिया हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितम्बर तक आमंत्रित किए गए है। ऐसे विद्यार्थी जो दसवीं उत्तीर्ण है और सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक एण्ड टेली कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा कोर्स करना चाहते है तो अविलम्ब सिरोंज पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में कार्यालयीन दिवसो, अवधि में सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है। काउंसलिंग के लिए रजिस्टेऊशन हेतु बेवसाइट है। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 9407282836 एवं 8319034281 पर सम्पर्क कर सकते है।
संस्था के प्राचार्य ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए पूर्व उल्लेखित डिप्लोमा कोर्स के लिए क्रमशः 54-54 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाना है। संस्था में डॉ बाबा साहब अम्बेडकर योजना के अंतर्गत छात्र-छात्राओं एससी श्रेणी के लिए निःशुल्क छात्रावास एवं भोजन की सुविधा तथा छात्रवृत्ति, निःशुल्क स्टेशनरी सहित पाठयपुस्तको की सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है।

सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों पर जोर, रैंकिंग सूची में गिरावट नहीं आए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरणों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने अगस्त माह की सभी शिकायतें शत प्रतिशत संतुष्टि के साथ निराकरण कराने पर बल देते हुए कहा है कि जिले की रैंकिंग सूची में गिरावट नहीं आना चाहिए ऐसे विभाग जो सी एवं डी ग्रेड सूची में शामिल है। उन्हें विशेष तौर पर इस ओर ध्यान देना होगा । कलेक्टर श्री सिंह ने कहा है कि ऐसी समस्या जो एल-1 स्तर पर निराकृत होनी चाहिए थी और वह नहीं हुई है उन कारणों को रेखांकित करते हुए जानकारियां टीएल बैठक में विभागों के जिला अधिकारी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करेंगे।

बैठक में नए सदस्यों को प्रमाण पत्र सौंपे

सिरोंज । नगर के तीर्थ धाम विश्वनाथ की नगरी देवपुर धाम में ओबीसी महासभा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कई मुद्दों को लेकर चर्चा की गई। बैठक के दौरान नए लोगों को सदस्यता ग्रहण कराई गई और उन्हें प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी नारायण प्रजापति ने सभी पदाधिकारी को निर्देशित किया कि लगातार अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों ओबीसी महासभा से जोड़ें। वहीं महासभा के प्रदेश महासचिव राकेश कुशवाहा, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सुनील यादव, विनय लोधी, कार्यकारी युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सोनू यादव, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष गोलू नायक, किसान मोर्चा के ब्लॉक अध्यक्ष भगवान सिंह धाकड़, युवा मोर्चा कार्यकारी अध्यक्ष बलवीर यादव, युवा मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष विदिशा संजू यादव, युवा मोर्चा ब्लॉक उपाध्यक्ष वीरान नायक, शिवराज यादव, युवा मोर्चा जिला सचिव सेशराम लोधी और विदिशा जिले की समस्त टीम सभी को नियुक्ति प्रमाण पत्र दिए गए।

राम लला सरकार से चांदी की पालकी में हुए विराजमान

डोल ग्यारस पर भक्तों को दर्शन देने निकले भगवान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

डोल ग्यारस पर बड़े ही भक्ति भाव के साथ नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में डोले निकले भगवान को डोलो में विराजमान करके जल विहार एवं भक्तों को दर्शन देने के लिए निकले नगर में एक दर्जन से अधिक स्थानों से भगवान जी को रथों विराजमान करके रात्रि में डोले मंदिरों से प्रारंभ हुए मुख्य बाजार में झिलमिल करती रोशनी के साथ आकर्षित रूप से सजे डोले और भगवान के दर्शन देखते ही बना रहे। रथों में विराजमान भगवान की एक झलक पाने के लिए बाजार में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई थी यहां से सभी डोले पंचकुइयों घाट पर पहुंचे जहां पर विधि विधान से पूजा अर्चना जलविहार और आरती के बाद वापस डोल फिर मुख्य बाजार में पहुंचे जहां पर रति भर रुके शनिवार को वापस मंदिरों में पहुंचेंगे। कार्तिक घाट को भी दूधिया रोशनी से नहाया गया था यहां का दृश्य भी देखते ही बन रहा था। वी इस बार श्री राम लला सरकार मंदिर 75 किलो किलो चांदी से बनाए गए रथ में विराजमान होकर निकले जिसको विशेष रूप से सजाया गया था भगवान जी का दृश्य भी देखते ही बन रहा था भक्त जन अपने हाथों से खींचते हुए चल रहे थे। डोलो का जगह-जगह विभिन्न समाज जनों और समाज सेवी संगठनों ने विधि विधान से पूजा अर्चना व आरती की पूरी रात बाजार में डोलो का उत्साह के साथ भगवान की जयकारे गूंज रहे थे। परंपरा से यहां पर डोले निकालने का महत्व दूर-दूर से लोग दर्शन करने आए रात भर डोलो का उत्साह देखने को मिला पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किए गए थे। वहीं राजनीतिक के नेताओं ने भी पहुंचकर भगवान की पूजा अर्चना की।

डोल ग्यारस के पुनीत पावन महापर्व पर नगर के मुख्य मार्गो से भगवान श्री कृष्ण विमानों में विराजमान होकर ऐतिहासिक प्राचीन तालाब में जल विहार करने पहुंचे। जिसके पश्चात श्रद्धालुओं ने अपने घर पर विश्राम करा कर पूजा अर्चना की। शनिवार को डोल एकादशी महापर्व पर श्रद्धालुओं ने मंदिरों और घरों में विशेष पूजा-अर्चना की। लोगों ने दिनभर विशेष व्रत धारण कर ईश्वर की आराधना की। श्री राम जानकी राज मंदिर, श्री राधा कृष्ण पोद्दार मंदिर, श्री राम जानकी साहू मंदिर सहित चार विमानों में भगवान श्री कृष्ण विराजमान हुए। जिनकी भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जो श्री राम जानकी साहू समाज मंदिर से प्रारंभ होकर श्री बड़ी माता मंदिर, श्री राधा कृष्ण पोद्दार मंदिर, बस स्टैंड, श्री राम जानकी राज मंदिर, मुख्य बाजार, भजन पूजन के बाद तालाब रोड होते हुए ऐतिहासिक प्राचीन तालाब पर शोभायात्रा पहुंची।

हिंदी दिवस का आयोजन हुआ

सिरोंज। शासकीय एवं प्रायवेट शालाओं में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के परिणाम की घोषणा की गई तथा कहानी लेखन की कार्यशाला के अंतर्गत कहानी विधा पर विस्तार से चर्चा हुई। निबंध लेखन प्रतियोगिता, वादविवाद प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता तथा काव्य पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में न्यास द्वारा आयोजित कहानी लेखन प्रतियोगिता के प्रतिभागियों और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

ई-रिक्शा से बैटरी चोरी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

2 एवं 3 सितंबर की दरमियानी रात ग्राम बामौरीशाला थाना दीपनाखेड़ा से प्रेमसिंह राजपूत अपने घर के बाहर खड़े 2 ई-रिक्शा से 8 बैटरी चोरी हो जाने के संबंध में शिकायत की गई। शिकायत जांच पर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया एवं आरोपियों व चोरी गए माल की तलाश पतारसी हेतु टीम गठित की गई जिसके द्वारा साइबर शाखा एवं तकनीकी साक्ष्यों की मदद से दि 11 सितम्बर को भोपाल से 2 आरोपियों जुबैर खांन पिता नफीस खांन उम्र 37 साल निवासी छावनी मोहल्ला मंगलवारा भोपाल व इरशाद पिता हफीज खांन उम्र 38 साल निवासी देवकी नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास भोपाल की गिरफ्तारी की गई जिसमे उनके द्वारा घटना में प्रयुक्त इनोवा कार क्रमांक एमपी 19 डीए 0191 को भी जप्त किया गया एवं आरोपियों का माननीय न्यायालय सिरोंज से 3 दिवस का पुलिस रिमांड प्राप्त कर आरोपियों के बताए अनुसार आरोपी कबाड़ी आरिफ पिता मकसूद खांन उम्र 32 साल निवासी वार्ड क्रमांक 1 नयापुरा रायसेन से घटना में चोरी गई कुल 8 बैटरी कीमती 80000 रुपए जप्त की गई है आरोपियों न्यायालय सिरोंज पेश किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी अनुज प्रताप सिंह, साइबर सेल से उप निरीक्षक वीरेंद्र पाल व प्रधान आरक्षक पवन जैन थाना दीपनाखेड़ा से एस आई रामेश्वर सिंह जाट, प्रधान आरक्षक दीपक सेंगर, प्रधान आरक्षक सुल्तान पटेल, आरक्षक राजकुमार रघुवंशी, आरक्षक उबेस खांन, आरक्षक अनिल कुशवाह की अहम भूमिका रही।

मेट्रो एंकर | वाराणसी काशी के लिए तीर्थ यात्रियों को लेकर रवाना हुई विशेष ट्रेन

विधायक राय एवं नगर पालिका अध्यक्ष राठौर ने दीं तीर्थ यात्रियों को शुभकामनाएं

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अन्तर्गत वाराणसी काशी के लिए सीहोर रेलवे स्टेशन से तीर्थ यात्रियों को लेकर विशेष रेल रवाना हुई। इस अवसर पर रेलवे स्टेशन पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक सुदेश राय एवं नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक सुदेश राय एवं अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा वृद्धजनों के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना चलाई जा रही है। उन्होंने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए तीर्थ यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को शुभकामनाएं दीं तथा सभी तीर्थ यात्रियों की मंगलमय यात्रा की कामना की। कार्यक्रम के दौरान श्री राजकुमार गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर श्री आनंद सिंह राजावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर तीर्थ यात्रियों को फूल माला पहनाकर उनका अभिवादन किया गया। इस दौरान तीर्थ यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों के चेहरे पर तीर्थ यात्रा की खुशी देखते ही बनती थी। तीर्थ यात्रा पर जाने वाले तीर्थ तीर्थ यात्री मदनलाल प्रजापति, दुल्हे सिंह, श्रीमती दुलारी बाई, श्रीमती गायत्री त्यागी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव हमारे लिए श्रवण कुमार की तरह कार्य कर रहे हैं। जिस प्रकार श्रवण कुमार ने अपने माता पिता को सभी तीर्थों के दर्शन कराए थे, उसी प्रकार मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी हमारे बेटे की तरह हमें तीर्थ यात्रा कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से हमें आज वाराणसी काशी जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। सभी यात्रियों ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने रोजगार और आमदनी के द्वार खोले

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने रोजगार और आमदनी दोनों के द्वार खोले हैं, हर माह मिलने वाली राशि का सदुपयोग कर रोजगार के क्षेत्र में कदम बढ़ाने वाली श्रीमती रुपवती सहरिया का कहना है कि उन्होंने प्रतिमाह मिलने वाली राशि से सिलाई मशीन खरीदी जिससे आमदनी बढ़ी मुख्यमंत्री जी हर माह 1250 रुपए तो सीधे खाते में आ जाते हैं। हर रोज का खर्चा सिलाई मशीन से निकल रहा है। लाडली बहना श्रीमती रूपवती सहरिया ने बताया कि लाड़ली बहना योजना तहत मिलने वाली राशि से घर खर्च अच्छे से चल रहा है, आर्थिक परेशानियां दूर हुई हैं। इसके पहले उन्हें बहुत परेशानियों को सामना करना पड़ता था लेकिन अब वह लाड़ली बहना योजना तहत मिलने वाली राशि से सिलाई मशीन खरीदने के उपरांत सिलाई का कार्य कर अपने घर की जरूरी खर्चो को पूरा कर रही हैं उन्होंने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

टेस्ट से पहले टीम इंडिया ने की प्रैक्टिस: लंदन से सीधे चेन्नई पहुंचे कोहली; 19 सितंबर से बांग्लादेश से मुकाबला

चेन्नई. एजेंसी

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया ने चेन्नई में जमकर पसीना बहाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम की प्रैक्टिस की फोटोज ट्वीट की है। इसमें भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टीम के बाकी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के साथ दिखाई दे रहे हैं। टीम इंडिया को यहां 19 सितंबर से पहला टेस्ट खेलना है। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली फ्लाइट से लंदन से चेन्नई पहुंचे। उनका चेन्नई एयरपोर्ट से निकलते हुए वीडियो आया है, इसमें कोहली कड़ी सुरक्षा के बीच एयरपोर्ट से निकलते दिखाई दे रहे हैं। इससे पहले, कप्तान रोहित शर्मा, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल और विकेटकीपर ऋषभ पंत को टीम बस पर चढ़ते देखा गया।

भारत-बांग्लादेश सीरीज शेड्यूल

जनवरी के बाद टेस्ट खेलेंगे कोहली विराट कोहली जनवरी 2024 के बाद टेस्ट मैच खेलेंगे। उन्होंने आखिरी मुकाबला साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में खेला था। घरेलू मैदानों की बात करें तो कोहली ने अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मार्च 2023 में आखिरी मैच खेला था। उसके बाद बेट अकाय के जन्म के कारण वे निजी कारणों से ब्रेक पर चले गए थे। इंडिया में पिछले टेस्ट के दौरान कोहली। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 186 रन की पारी खेली थी।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश **टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम:** नजमुल हसन शान्तो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, जाकिर हसन, शादमान इस्लाम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिट्टन दास, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, नईम हसन, नाहिद राणा, हसन महमूद, तस्कीन अहमद, सैयद खालिद अहमद और जाकिर अली अनिक।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

करियर की शुरुआत में दो फिल्मों से निकाला

फिल्म 'एमएस धोनी' से निकाले जाने पर रोई थीं रकुल प्रीत

रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि करियर की शुरुआत में उन्हें 2 फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया था। एक फिल्म में वे प्रभास के साथ काम करने वाली थीं। वहीं दूसरी फिल्म स्स्र धोनी की बायोपिक थी, जिसमें बाद में उनकी जगह दिशा पाटनी को कास्ट किया गया था। रकुल ने कहा कि इन रिजेक्शन से उनका दिल नहीं टूटा था। बस डर था कि इंडस्ट्री में यह गलत परसेप्शन न बन जाए कि खराब एटीट्यूड की वजह से उन्हें प्रोजेक्ट्स से निकाला गया। रणवीर अल्लाहबादिया को दिए इंटरव्यू में रकुल ने कहा, 'मेरे डेब्यू से पहले, मुझे एक फिल्म से निकाल दिया गया था, जिसके लिए मैंने चार दिन की शूटिंग भी कर ली थी। प्रभास के साथ यह एक तेलुगु फिल्म थी। लेकिन कभी-कभी जब आप इंडस्ट्री या इसके कामकाज के तरीके के बारे में ज्यादा नहीं जानते हैं, तो आप इसे ज्यादा दिल से नहीं लेते हैं। मैं इतनी भोली थी कि मैंने सोचा-ओह ठीक है, उन्होंने मुझे हटा दिया। कोई बात नहीं, शायद यह मेरे लिए नहीं था, मैं कुछ और करूंगी।

मेकर्स ने पुरानी एक्ट्रेस को कास्ट करने का मन बना लिया था: रकुल ने आगे यह भी बताया कि उन्हें फिल्म से क्यों निकाला गया? उन्होंने कहा कि मेकर्स को कुछ समय बाद एहसास हुआ कि फिल्म का लेवल ऐसा है, जिसमें नए एक्ट्रेस को कास्ट करने के बजाय पुराने किसी एक्ट्रेस को कास्ट करना बेहतर होगा। रकुल ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म से निकाले जाने की खबर उन्हें किसी ने दी भी नहीं थी। उन्होंने कहा, 'मैं अपना शेड्यूल पूरा करने के बाद दिल्ली आ गई थी। मुझे बाद में इस घटना के बारे में पता चला। हालांकि मैं जानती थी कि मुझे वह पहली बड़ी लॉन्चिंग नहीं मिलेगी, मुझे अपने तरीके से काम करना होगा। फिर मेरी पहली फिल्म बड़ी हिट साबित हुई।

पत्नी सुनीता ने किया खुलासा....

गोविंदा की महिला प्रशंसक ने किया था नौकरानी का नाटक

गोविंदा की पत्नी सुनीता ने खुलासा किया है कि एक बार एक महिला जो अभिनेता की बहुत बड़ी प्रशंसक थी, उसने घर में नौकरानी होने का नाटक किया और 20 दिनों तक उनके घर में रही। सुनीता ने बताया कि वह महिला वास्तव में एक मंत्री की बेटी थी। बॉलीवुड स्टार गोविंदा अक्सर अपनी पर्सनल और फिल्मों को लेकर चर्चा में रहते हैं। 1990 के पॉपुलर स्टार गोविंदा अपनी पत्नी के कारण अब फिर चर्चा में हैं। गोविंदा की पत्नी सुनीता ने खुलासा किया है कि एक बार एक महिला जो अभिनेता की बहुत बड़ी प्रशंसक थी, उसने घर में नौकरानी होने का नाटक किया और 20 दिनों तक उनके घर में रही। सुनीता ने बताया कि वह महिला वास्तव में एक मंत्री की बेटी थी। सुनीता ने टाइम आउट विद अंकित पॉडकास्ट में बात करते हुए बताया कि गोविंदा को इंडस्ट्री में काफी प्रशंसक मिले और उन्होंने इस जीवन को खूब जिया भी था। सुनीता ने कहा, एक बार एक महिला प्रशंसक से जुड़ा वाकया हुआ था। एक महिला ने हमारे घर में नौकरानी होने का नाटक किया था। मुझे उसे देखकर लग रहा था कि वह किसी अच्छे परिवार से आती है। इस बारे में मैंने अपनी सास से बात की और उनसे कहा कि इसे ठीक से बर्तन धोना और साफ सफाई करना नहीं आता है। गोविंदा की फीमेल फैंस से पत्नी को कभी नहीं हुई परेशानी, बोलीं- वो दिन के अंत में मेरे पास होते है। सुनीता ने कहा कि वो गोविंदा के लिए देर तक जागती थी। मुझे शक हुआ तो मैंने उसकी बैकग्राउंड चेक किया। हमें पता चला कि वह किसी बड़े मंत्री की बेटी है। इसके बाद वह हमारे सामने रोने लगी और उसने माना कि वह गोविंदा की फैन है। इसके बाद उसके पिता आए और अपने साथ चार कारें भी लाए। मुझे लगता है वह हमारे सात 20 दिन रही होगी। आपको बता दें कि सुनीता गोविंदा के मामा की पत्नी यानी उनकी मामी की बहन थीं। गोविंदा और सुनीता ने 11 मार्च 1987 को शादी की थी। उस वक्त गोविंदा 24 साल के थे, और सुनीता 18 साल की थीं। गोविंदा और सुनीता के दो बच्चे हैं, जिसमें से बेटे का नाम है यशवर्धन आहूजा और बेटी का नाम है टीना आहूजा।

सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ इंटिमेट दृश्यों पर बोलीं मालविका, कहा- *इन्हें फिल्माना आसान नहीं...*

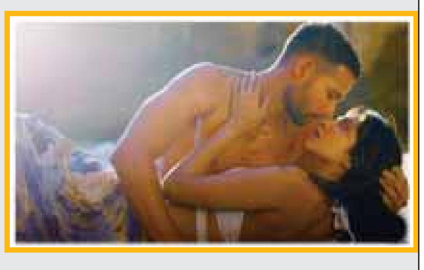

मालविका मोहनन और सिद्धांत चतुर्वेदी की आगामी फिल्म युध्रा में दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। फिल्म में दोनों के बीच कई इंटिमेट दृश्य भी फिल्माए गए हैं, जिनपर अभिनेत्री ने खुल कर बात की है। मालविका मोहनन साउथ फिल्मों की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। वह मुख्य रूप से मलयालम और तमिल फिल्मों में काम करती हैं। हिंदी फिल्मों में वह पहली बार माजिद मजीदी की बियॉन्ड द क्लाउड्स में नजर आई थीं। अब एक बार फिर वह हिंदी दर्शकों का दिल जीतने वापस आ रही हैं। उनकी फिल्म युध्रा जल्द ही रिलीज होने वाली हैं। इस फिल्म में उनके और अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी के बीच शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। इस फिल्म का पहला गाना साथिया कुछ दिनों पहले ही रिलीज हुआ था, जिसमें दोनों के किरदारों की शानदार प्रेम कहानी देखने को मिली है। हाल में ही अभिनेत्री ने न्यूज 18 इंडिया शोशा को दिए एक इंटरव्यू में फिल्म में अपने और सिद्धांत चतुर्वेदी के केमिस्ट्री पर खुल कर बात की है। मलयालम फिल्म साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म पट्टम पोले से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री हिंदी फिल्मों में भी जलवा बिखेरने को तैयार हैं। युध्रा फिल्म के गाने, टीजर और ट्रेलर में उन्हें काफी पसंद किया गया है। एक गाने में मालविका और सिद्धांत की समुदंर के बीच काफी इंटिमेसी वाली दृश्य शूट किए गए हैं।

नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल में दूसरे नंबर पर रहे

87.86 मीटर का बेस्ट थ्रो फेंका; ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स को पहला स्थान

ब्रुसेल्स, एजेंसी

नीरज चोपड़ा 2024 के डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने अपने तीसरे अटेम्प्ट में 87.86 मीटर का बेस्ट थ्रो फेंका। वह चैंपियन बनने से 0.01 मीटर दूर रहे। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने अपने पहले अटेम्प्ट में 87.87 मीटर का बेस्ट थ्रो फेंक कर पहला स्थान हासिल किया। नीरज ने अपने पहले अटेम्प्ट में 86.82 मीटर का थ्रो फेंका था। जर्मनी के जूलियन वेबर 85.97 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फाइनल में 7 जैवलिन थ्रोअर ने हिस्सा लिया था। जिनमें से 4 थ्रोअर 83 मीटर का थ्रो भी नहीं फेंक सके। डायमंड लीग फाइनल 13 और 14 सितंबर को बेल्जियम के ब्रुसेल्स स्थित किंग बौडॉइन स्टेडियम में हुआ। भारत के ही अविनाश साबले 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट में 9वें नंबर पर रहे।

नीरज ने पेरिस ओलिंपिक में जीता था सिल्वर

नीरज चोपड़ा ने पिछले महीने खत्म हुए पेरिस ओलिंपिक गेम्स में सिल्वर मेडल जीता था। उन्होंने 89.45 मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो किया था। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि, वह डायमंड लीग का हिस्सा नहीं रहे। नीरज ने 2020 के टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। तब अरशद नदीम टॉप-5 प्लेयर्स में भी जगह नहीं बना सके थे। नीरज डायमंड लीग फाइनल को 2022 में जीत चुके हैं, 2023 में वह दूसरे स्थान पर रहे थे।

तीसरे अटेम्प्ट में नीरज ने फेंका अपना बेस्ट थ्रो

जैवलिन थ्रो इवेंट शनिवार देर रात 11:52 बजे शुरू हुआ। पहले अटेम्प्ट में नीरज चोपड़ा ने 86.82 मीटर का थ्रो फेंका, जिससे वह दूसरे स्थान पर पहुंचे। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने 87.87 मीटर थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया। जर्मनी के जूलियन वेबर 85.97 मीटर थ्रो के साथ तीसरे नंबर पर रहे। नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल में लगातार दूसरी बार दूसरे नंबर पर रहे। पहले अटेम्प्ट में नीरज ने 86.82 मीटर का थ्रो फेंका और दूसरा स्थान हासिल किया। दूसरे अटेम्प्ट में नीरज ने 83.49 मीटर दूर थ्रो फेंका। वह दूसरे स्थान पर ही रहे। तीसरे अटेम्प्ट में नीरज का थ्रो 87.86 मीटर दूर गया। वह पहला स्थान हासिल करने से 0.02 मीटर दूर रहे। चौथे अटेम्प्ट में नीरज ने 82.04 मीटर का थ्रो फेंका।

स्टीपलचेज में अविनाश 9वें नंबर पर रहे

डायमंड लीग 2024 के स्टीपलचेज 3000 मीटर फाइनल में अविनाश साबले नौवें स्थान पर रहे। ब्रुसेल्स के किंग बौडॉइन स्टेडियम में उन्होंने रेस पूरी करने के लिए 8:17.09 मिनट का समय लिया। केन्या के अमोस सेरेम ने पहला और मोरक्को के पेरिस ओलिंपिक चैंपियन सौफियान एल बक्काली ने दूसरा स्थान हासिल किया।

क्या है डायमंड लीग?

डायमंड लीग एथलीट्स का एनुअल कॉम्पिटिशन है। इसमें जैवलिन थ्रो, हाई जंप, लॉन्ग जंप, ट्रिपल जंप, पॉल वॉल्ट, स्प्रिंट, हर्डल्स, स्टीपलचेज, डिस्कस थ्रो और शॉट पुट जैसे एथलेटिक इवेंट्स होते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों में पूरे साल 4 क्वालिफाइंग इवेंट होते हैं। इनमें टॉप रैंक हासिल करने वाले एथलीट्स सितंबर में डायमंड लीग फाइनल खेलते हैं। फाइनल जीतने वाले खिलाड़ी को ही डायमंड लीग चैंपियन माना जाता है।

अभिमन्यु-जगदीशन की पारियों से इंडिया-बी का पलटवार

इंडिया-सी की टीम ने 525 रन बनाए

अनंतपुरम. एजेंसी

कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन और नारायन जगदीशन के नाबाद अर्धशतक से इंडिया-बी टीम ने इंडिया-सी के खिलाफ जोरदार पलटवार किया। इंडिया-सी की टीम ने पहली पारी में 525 रन का विशाल स्कोर बनाया था। इसके जवाब में इंडिया-बी टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक बिना कोई विकेट गंवाए 124 रन बना लिए थे। अभिमन्यु 91 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के के साथ 51 जबकि जगदीशन 126 गेंदों में आठ चौकों के साथ 67 रन बनाकर क्रीज पर डटे थे।

मानव ने इंडिया-सी के लिए ठोके 82 रन: इससे पहले, सुबह इंडिया-सी ने पहली पारी पांच विकेट पर 357 रन से आगे बढ़ाई। मानव सुथार ने 11 चौकों और तीन छक्के के साथ 82 रन की पारी खेली, लेकिन वह शतक लगाने से चूक गए। वहीं, सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड ने नौ चौकों और दो छक्कों के साथ 58 रन बनाए।

वर्ल्ड ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप 2024

छह भारतीय राइडर्स ने पहली बार किया क्वालीफाई

नई दिल्ली. एजेंसी

रोनाल्डो सिंह

डेनमार्क के बॉलरअप सुपर एरेना में 16 से 20 अक्टूबर तक होने वाले वर्ल्ड ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप के लिए छह भारतीय साइकिलिस्टों ने स्थान पक्का कर इतिहास रच दिया। छह राइडर्स में चार स्प्रिंट और दो एंड्योरेंस होंगे। रोनाल्डो सिंह, एसो अल्बेन, रोजित सिंह और डेविड बेकहम स्प्रिंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पहली बार शिरकत करेंगे

हर्षवीर सेखों और मीनाक्षी एंड्योरेंस स्पर्धा में शिरकत करेंगे। खास यह है कि एंड्योरेंस कैटेगरी में पहली बार भारतीय राइडर हिस्सा लेंगे।

शरीर में मौजूद हार्मोन की वजह से कम होता है तनाव, ऐसे कर सकते हैं कंट्रोल

Life&Style METRO

जब शरीर में कॉर्टिसोल हार्मोन का लेवल बढ़ जाता है तो इससे कई तरह की समस्याएं होने लगती है. मूड स्विंग, याददाश्त कमजोर हो जाती है, मोटापा, गुस्सा, सिरदर्द, ब्लड प्रेशर बढ़ने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं. दिनभर की भागमभाग और काम के बीच चिंता बढ़ना लाजिमी है. छोटी-छोटी बातों पर मन में चिंता बन जाती है. कभी फ्यूचर की टेंशन तो कभी काम का प्रेशर स्ट्रेस का कारण बन जाता है. थोड़ी चिंता तो नॉर्मल बात है लेकिन अगर यह ज्यादा बढ़ने लगे तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि ज्यादा चिंता या तनाव लेने से कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं. इससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है, एंग्जाइटी या घबराहट हो सकती है. तनाव मानसिक ही नहीं, शारीरिक बीमार भी बना सकता है. इससे छुटकारा पाने के लिए बहुत जरूरी है स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल को कंट्रोल करना. एड्रेनल ग्रंथि से एक्टिव होने वाला स्ट्रेस हार्मोन ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है, लेकिन जब यह ज्यादा सक्रिय हो जाता है तो इसका सेहत पर बुरा असर पड़ने लगता है. ऐसे में यहां जानिए तनाव कम करने के लिए कॉर्टिसोल हार्मोन को कैसे कंट्रोल कर सकते हैं...

हर दिन एक्सरसाइज

अगर किसी का कॉर्टिसोल हार्मोन बढ़ गया है तो उसे कंट्रोल या कम करने के लिए रोजाना एक्सरसाइज और योग करना चाहिए. इससे सेहत बेहतर बनती है और तनाव कम होता है. हालांकि, हाई इंटेंसिटी वर्कआउट नहीं करना चाहिए.

डाइट बैलेंस रखें

कॉर्टिसोल हार्मोन को कंट्रोल करने के लिए डाइट को बेहतर बनाने पर फोकस करना चाहिए. इसके लिए प्रोटीन, विटामिन सी, हेल्दी फैट और प्रोबायोटिक्स से भरपूर चीजें खानी चाहिए. लहसुन, ग्रीन टी और ब्लैक टी लेने से भी कॉर्टिसोल कंट्रोल होता है.

रात में चाय-कॉफी न पिएं

कई लोगों रात में चॉय-कॉफी पीते हैं, जिसमें कैफीन होता है. इससे कॉर्टिसोल का लेवल बढ़ता है. नींद प्रभावित हो सकती है. ऐसे में रात में कॉफी-चाय नहीं पीनी चाहिए. कैफीन से दूरी बनानी चाहिए.

नींद पूरी करें

नींद प्रभावित होने पर भी कॉर्टिसोल का लेवल प्रभावित होता है. इसलिए कॉर्टिसोल का लेवल कम करने के लिए अच्छी और गहरी नींद लेनी चाहिए. इसके लिए बिस्तर पर जाने के बाद गैजेट्स से दूरी बनाकर सही रुटीन फॉलो करना चाहिए. अगर स्ट्रेस बढ़ रहा है तो कॉर्टिसोल हार्मोन को कम करने के लिए अपनी शौक की चीजों में खुद को इनवॉल्व करें.

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पुराने शहर की चौक बाजार से ईद मिलादुन्नबी पर वोहरा समाज की शोभायात्रा निकाली।

6वीं कक्षा से थी दोस्ती, परिजन ने शादी से किया इंकार तो भागकर भोपाल शिफ्ट हुआ प्रेमी-युगल

सुरेंद्र पैलेस में मुंह बोले भाई के घर ली थी प्रेमी ने पनाह, प्रेमिका ने की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित सुरेंद्र पैलेश में आत्महत्या करने वाली युवती का शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया गया। परिजन शव लेकर गोटेगांव नरसिंहपुर निकल गए। पूछताछ में पता चला कि युवती और युवक गुटगांव में एक ही मोहल्ले में रहते थे। दोनों एक दूसरे को बचपन से जानते थे। छटवीं कक्षा में साथ पढ़ते समय उनकी दोस्ती हो गई। धीरे-धीरे दोस्ती प्रेम प्रसंग में बदल गई। एक महीने पहले 9 अगस्त को दोनों भागकर भोपाल पहुंचे और मुंह बोले भाई-भाभी के मकान में रुके हुए थे। गुरुवार को दोनों के बीच में कहासुनी हुई थी। शुक्रवार दोपहर युवती ने फांसी लगा ली।

गोटेगांव में दर्ज कराई थी गुमशुदगी: जानकारी के अनुसार गोटेगांव नरसिंहपुर निवासी 19 साल की अंकिता चौधरी ने सुरेंद्र पैलेश में फांसी लगा ली। पुलिस की पूछताछ में मयंक परिहार ने बताया कि अंकिता गोटेगांव घर के पास रहती थी। दोनों छठवीं में साथ पढ़ते थे। अंकिता के परिजन ने उसे जबलपुर प?ाई करने भेज दिया। जबलपुर में वह

बीएससी सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। मयंक और अंकिता के प्रेम प्रसंग होने की जानकारी परिजन को लग गई थी। परिजन नहीं चाहते थे कि दोनों की शादी करें। इधर मयंक और अंकिता एक दूसरे को पसंद करते थे और शादी करना चाहते थे। गत 9 अगस्त को मयंक और अंकिता भोपाल आ गए। अंकिता के अचानक लापता होने के बाद परिजन ने गोटेगांव थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई।

बेरोजगार था मयंक

मयंक ने पुलिस को बताया कि अंकिता से उसने आर्य समाज के मंदिर से शादी की थी। शादी में उसके मुंह बोले भाई और भाभी ने मदद की। दोनों शादी के बाद मुंह बोले भाई भाभी के साथ सुरेंद्र पैलेश में रह रहे थे। पुलिस ने मयंक से मैरिज सर्टिफिकेट या फिर शादी के समय की फोटो मांगी तो वह दिखा नहीं सका। उससे पूछताछ में पता चला कि अंकिता से उसका विवाद हुआ था। विवाद की वजह मयंक की बेरोजगारी थी। अंकिता कहती थी कि कोई काम कर लों, लेकिन मयंक कोई भी काम नहीं कर रहा था।

इटारसी गए थे मुंह बोला भाई भाभी

शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे मयंक का मुंहबोला भाई और भाभी इटारसी के लिए निकल गए। दोपहर में मयंक अपने दोस्त को छोड़ने के लिए निकल गया। करीब तीन बजे लौटा तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी प्रयास करने के बाद भी जब अंकिता ने दरवाजा नहीं खोला तो मयंक ने बगल वाले फ्लैट से झांककर देखा। इस दौरान अंकिता फांसी के फंदे पर लटकी नजर आई। किसी तरह दरवाजा खोलने के बाद मयंक ने अंकिता को फंदे से उतार लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी थी।

महिला के सिरहाने रखा पर्स चुराकर भागा बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दरवाजे को धक्का देकर झुग्गी में घुसा एक युवक महिला के सिरहाने रखा पर्स और मोबाइल चुरा लिया। नींद खुलने पर महिला ने युवक का हाथ पकड़ लिया, लेकिन वह हाथ छुड़ाकर सामान लेकर भाग निकला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। शाहजहांनाबाद पुलिस के मुताबिक सावित्री बाई अहिरवार (45) लोक सेवा केंद्र के पास, मदर इंडिया कालोनी शाहजहांनाबाद में रहती हैं और बंगलों में साफ-सफाई का काम करती हैं। उनके पति गणेशराम सब्जी का ठेला लगाते हैं। वह रोजाना सुबह करीब पांच बजे सब्जी खरीदने के लिए मंडी जाते है। उस वक्त किसी को जगाने के बजाए वह दरवाजा लुड़काकर चले जाते हैं। शुक्रवार को गणेशराम के बाहर जाने के बाद सुबह करीब साड़े पांच बजे पड़ोस में रहने वाली शकील महिला के घर में घुस गया और सिरहाने पर रखा एक मोबाइल फोन और पर्स जिसमें पांच हजार रुपये रखे हुए थे, वह उठा लिया। महिला की नींद खुली तो उसने शकील का हाथ पकड़ लिया, लेकिन शकीर हाथ छुड़ाकर पर्स और मोबाइल लेकर भाग निकला। बाद में महिला ने थाने जाकर शकील के खिलाफ चोरी की नामजद रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। चार्जिंग में लगा मोबाइल चोरी इधर सीहोर निवासी बबलू परमार शुक्रवार को भोपाल उज्जैन पैसेंजर ट्रेन के जनरल कोच में सवार होकर भोपाल से सीहोर जा रहा था। इस दौरान उसने अपना मोबाइल फोन चार्जिंग पाइंट पर लगा दिया था। तड़के करीब छह बजे नींद खुली तो मोबाइल फोन गायब था। आसपास तलाश करने के बाद भी मोबाइल नहीं मिला तो थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी प्रकार श्यामला हिल्स स्थित एनआईटीटीटीआर के पास खड़े आजाद खान के पिकअप वाहन की बैटरी चोरी चली गई। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बस स्टॉप पर खड़ी युवती के साथ अश्लील हरकत, केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर स्थित न्यू मार्केट बस स्टाप एक मनचले युवक ने युवती के साथ अश्लील हरकत कर दी। पुलिस ने बताया कि 19 वर्षीय युवती बीती 28 अगस्त की रात करीब 9 बजे बस स्टाप पर खड़ी थी। इसी दौरान उसका परिचित प्रिंस शर्मा मौके पर पहुंचा और युवती के साथ अश्लील हरकत कर दी। पीड़िता ने जब विरोध किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इधर गौतम नगर पुलिस ने इलाके में रहने वाली 25 वर्षीय युवती की रिपोर्ट पर रिहान खान नामक युवक के खिलाफ छेड़छाड़ और धमकी देने का मामला दर्ज किया है। आरोपी पिछले करीब 9 महीने से युवती का पीछा कर उसे परेशान कर रहा था। काफी

समझाईश के बाद भी जब रिहान की हरकतें बंद नहीं हुई तो पीड़िता ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज करवा दी। इसी प्रकार गांधी नगर इलाके में रहने वाली 27 वर्षीय युवती शुक्रवार को पेट्रोल पंप के पास से गुजर रही थी। इसी बीच अज्ञात मनचले युवक ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया और अश्लील हरकत कर दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

कोलार में पाइपलाइन का सुधार कार्य

भोपाल,दोपहर मेट्रो। नीलबड़ चौराहे पर कोलार पाइपलाइन का काम करते ननि कर्मी कार्य करते हुए।

मोबाइल तोड़ने के बाद रॉड से किया हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गणेश झांकी पर मौजूद एक युवक का दूसरे युवक ने मोबाइल छीनकर तोड़ दिया और विरोध करने पर लोहे की राड से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक गोलू उर्फ हर्ष कचनेरिया (25) इंद्रानगर चौकी के पीछे टीला जमालपुरा में रहता है और बैरागढ़ स्थित एक कपड़े की दुकान पर काम करता है। रात करीब साड़े तीन बजे वह बारदारी स्थित गणेश झांकी के पास बैठा हुआ था। वहां पर रोहन और झांकी के अन्य सदस्य भी बैठे हुए थे। इस दौरान रोहन ने गोलू से उसका मोबाइल मांगा तो उसने देने से मना कर दिया। इस पर रोहन ने मोबाइल छीनकर जमीन पर पटक दिया, जिससे मोबाइल टूट गया। इस पर गोलू ने उसका मोबाइल भी जमीन पर पटककर तोड़ दिया। उसके बाद रोहन ने गोलू पर लोहे की राड से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल गोलू को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

नाबालिग से दुष्कर्म, गर्भवती होने पर खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना क्षेत्र में एक नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुष्कर्म का उस समय खुलासा हुआ, जब नाबालिग गर्भवती हो गई। पूछताछ में उसने गांव में रहने वाले एक युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बलात्कार, पाक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी ने आठवीं कक्षा तक पड़ाई की है। उसके बाद वह घर पर रहकर घरेलू काम करती है। गत दिनों किशोरी ने पेट दर्द हुआ। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने चेक तो पता चला

कि वह गर्भवती है और उसे तीन महीने का गर्भ है। परिजन ने पूछताछ की तो उसने बताया कि गांव में रहने वाले 22 साल का साद उसे डरा-धमका कर करीब 9 महीने से दैहिक शोषण कर रहा था। उसने किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर साद के खिलाफ बलात्कार और पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

बंगले के सामने खड़ी तीन कारों को मारी टक्कर

भोपाल। अजय वंशकार निशातपुरा फाटक बैरसियसा रोड पर रहता है और कोहेफिजा में रहने वाले एक अधिवक्ता के यहां ड्रायवरी करता है। वह अधिवक्ता के बच्चों को स्कूल बस में बिठाने के लिए सड़क पर आया था। बच्चों की स्कूल जाने के बाद खानूगांव की तरफ से आ रही सफेद रंग की एक तेज रफ्तार कार ने बंगले के बाहर खड़ी इनोवा कार, महिंद्रा थार और अल्टो कार को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों कारों में भारी नुकसान हुआ है। पुलिस ने अजय की रिपोर्ट पर कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बाइक सवार दंपती को कार ने मारी टक्कर

भोपाल। वीआईपी रोड स्थित राजाभोज मूर्ति के पास कार ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस के मुताबिक धर्मेंद्र चौहान अहमदपुर सीहोर में रहते हैं और किराने की दुकान चलाते हैं। वह पत्नी विद्या चौहान के साथ रेडक्रास अस्पताल आए थे। दोनों वापस सीहोर लौट रहे थे। वीआईपी रोड स्थित राजाभोज मूर्ति के पास पीछे से आ रही कार के चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दंपति बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गये। पुलिस ने कार चालक के किलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर

ज्वैलरी शॉप पर सोने के आभूषण खरीदने आए थे आरोपी

ऑनलाइन पैमेंट का फर्जी मैसेज दिखाकर जालसाज ले उड़ा पौने 2 लाख रुपए के जेवर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एक ज्वैलरी शॉप पर सोने के आभूषण खरीदने आए जालसाज ने संचालक को एक लाख 88 हजार रुपए का चूना लगा दिया। दरअसल सोने के आभूषण खरीदने के बाद आरोपी ने संचालक को ऑनलाइन पैमेंट करने का फर्जी मैसेज दिखाया था। आरोपी के जाने के बाद पता चला कि खाते में पैसा जमा ही नहीं हुआ है। करीब एक साल चली जांच के बाद पिपलानी पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक एमपी स्ट्रीट इन्द्रपुरी पिपलानी निवासी आशुतोष सोनी की इलाके में ज्वैलरी शॉप है। विगत 20 अक्टूबर 2023 को एक व्यक्ति सोने के आभूषण खरीदने दुकान पर पहुंचा था। करीब आधा-पौन घंटे तक उसने

आभूषण देखे और करीब एक लाख 88 हजार रुपए आभूषण खरीद लिए। आभूषण खरीदने के बाद उसने ऑनलाइन पैमेंट किया और पैमेंट हो जाने का मैसेज दुकान संचालक आशुतोष सोने को दिखा दिया। संतुष्ट होने के बाद दुकान संचालक ने आभूषण उक्त व्यक्ति को दे दिए थे। ग्राहक के जाने के बाद जब उन्होंने अपना अकाउंट चैक किया तो उसमें एक लाख 88 हजार 458 रुपए जमा नहीं हुए थे। उन्होंने कुछ देर यह सोचकर इंतजार किया कि नेटवर्क की समस्या हो सकती है। लेकिन बाद में भी पैमेंट अकाउंट में नहीं आया। ठगी का आभास होने पर वह सीधे पिपलानी थाने पहुंचे और शिकायती आवेदन देकर प्रकरण दर्ज करने की गुहार लगाई। थाना प्रभारी अनुराग लाल का कहना है कि जांच के बाद अज्ञात जालसाज के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। उसने जिस मोबाइल नंबर से ऑनलाइन पैमेंट का दावा किया था उसे ाी जांच में लिया गया है। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में जालसाज कैद हुआ है। हुलिए के आधार पर उसकी खोजबीन की गई लेकिन फिलहाल सुराग नहीं लग सका है।

शराब के लिए बदमाश ने की अड़ीबाजी

भोपाल। शाहजहांनाबाद में रहने वाले एक बदमाश ने शराब के लिए युवक के साथ अड़ीबाजी की। पुलिस के मुताबिक पंकज ढाकसे (19) काला पाईप के पास मदर इंडिया कालोनी शाहजहांनाबाद में रहता है और पड़ाई करता है। शुक्रवार रात करीब 8 बजे वह अपने घर के सामने खड़ा हुआ था। इसी बीच बदमाश अमन बच्चा पहुंचा और शराब पीने के लिए एक हजार रुपये देने की मांग करने लगा। पंकज ने बताया कि उसके पास रुपये नहीं हैं तो अमन उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। पंकज ने गाली देने से मना किया तो वह मारपीट करने की कोशिश करने लगा। इसी बीच पंकज की मां और अन्य लोग पहुंचे तो अमन बच्चा वहां से भाग निकला। बाद में पंकज ने थाने जाकर आरोपी के खिलाफ अड़ीबाजी का मामला दर्ज करवाया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022